A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 03 अप्रैल, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 173 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद क्या कांग्रेस फायदे में?

मधुरेंद्र सिन्हा

आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी पूर्ण आंदोलन पर उतर आई है। पार्टी के तमाम नेता अपनी-अपनी वफादारी दिखाने के लिए सड़कों पर उतर गये। हर दिन धरना और प्रदर्शन। तरह-तरह की बयानबाजी और बहस। केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। दोनों ही अपने-अपने ढंग से इस गिरफ्तारी की व्याख्या कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी की पूरी कोशिश है कि केजरीवाल को जनता के बीच निर्दोष दिखाया जाए। इसके लिए वह विक्टिम कार्ड भी खेल रही है क्योंकि केजरीवाल इस खेल के बहुत बड़े खिलाड़ी हैं।

उनकी पत्नी पूर्व आईआरएस सुनीता भी मैदान में उतरकर अपने पति के लिए जनता से समर्थन-सहानुभूति मांग रही हैं। उन्हें लग रहा है कि ऐसे प्रयास से जनता बड़ी संख्या में उनके साथ हो जाएगी और केजरीवाल को पूरी सहानुभूति मिल जायेगी जिसका उन्हें लाभ भी मिलेगा। लेकिन एक बात साफ रही कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद जनता सड़कों पर नहीं उतरी। पार्टी को उम्मीद थी कि लोग गुस्से में आ जायेंगे लेकिन कहीं भी आक्रोशित जनता दिखाई नहीं दे रही है। अरविंद केजरीवाल के लिए जनता में अतिरिक्त सहानुभूति नहीं दिख रही है। हाँ, यह बात जरूर कही जाती रही कि होली के समय उन्हें गिरफ्तार क्यों किया गया। केजरीवाल के वोटर अमूमन वो लोग हैं जिन्हें मुफ्त बिजली, पानी, बस यात्रा करने को मिलती है। यह तबका बहुत बड़ा है और दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ियों, पुनर्वास कॉलोनियों से लेकर मुहल्लों तक रहता है। इनमें मुसलमानों की बड़ी तादाद है और वे कई निर्वाचन क्षेत्रों में किसी भी पार्टी को जिताने की क्षमता रखते हैं। केजरीवाल की पार्टी को लगा था कि वे सब के सब सामने आ जायेंगे और उनके लिए कोहराम मचा देंगे। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। सिर्फ वही लोग निकले जिन्हें विधायक वगैरह अपने साथ ले गये थे।

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधान सभा चुनाव में लगातार तीन बार कांग्रेस को परास्त किया था और उसका मनोबल तोड़ दिया था लेकिन यहां हुए समझौते तथा कुछ वरिष्ठ नेताओं की राजनीतिक सक्रियता से पार्टी फिर से सुर्खियों में लौटने लगी है। केजरीवाल ने कांग्रेस को दिल्ली में तो तीन सीटें दीं लेकिन पंजाब में कोई समझौता नहीं हुआ। मुख्यमंत्री की इस रहमदिली के पीछे कारण यह था कि कांग्रेस ने दिल्ली के मामले में संसद में उनका साथ दिया था। उनकी गिरफ्तारी पर भी कड़ा विरोध जताया था। लेकिन राजधानी में रविवार को हुई 'इंडिया' गठबंधन की 'लोकतंत्र बचाओ' रैली में कांग्रेस ने केजरीवाल की गिरफ्तारी से पल्ला झाड़ लिया। पार्टी की ओर से खुले तौर पर कहा गया कि इस रैली का मक़सद सिर्फ संविधान और लोकतंत्र को बचाने पर जोर देना है, न कि किसी एक नेता को। केजरीवाल और उनकी पत्नी सुनीता को पूरी उम्मीद थी कि सभी विपक्षी नेता उनके बारे में बोलेंगे लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं। इस इवेंट में कांग्रेस ने अपने पत्ते बहुत संभाल कर खेले जिससे यह स्पष्ट हो गया कि पार्टी दिल्ली में अपने को कहीं न कहीं मजबूत पा रही है।

केजरीवाल कांग्रेस को दिल्ली और पंजाब में सीटें देना नहीं चाहते थे लेकिन परिस्थितियाँ ऐसी बनीं कि दिल्ली में तीन लोकसभा सीटें देने को बाध्य हो गये। इस बात से कांग्रेस को जैसे कि ऑक्सीजन मिल गयी है। इनमें संगठनात्मक क्षमता भी है और संघर्ष करने की ताकत भी है। हालांकि कांग्रेस ने अभी तीन सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, पार्टी में उत्साह दिख रहा है क्योंकि इस बार सीधी लड़ाई भारतीय जनता पार्टी से है।

कांग्रेसी नेता यह जानते हैं कि ज्यादातर कार्यकर्ता कभी कांग्रेस के समर्थक होते थे और पुनर्वास कॉलोनियों तथा अन्य बस्तियों में रहते थे। सच तो यह है कि केजरीवाल की छवि अब पहले वाली नहीं रही। इंडिया अगेंस्ट करप्शन के आंदोलन से निकले एक्टिविस्ट केजरीवाल ने उस समय धूम मचा दी थी और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध उनके कड़वे वचन लोगों को बहुत भाने लगे थे जिसका भरपूर लाभ उन्हें विधानसभा चुनाव में मिला। लेकिन वक्त बीतने के साथ दिल्ली में भ्रष्टाचार फिर से बढ़ने लगा और कई विभाग तो निकम्मे साबित होने लगे जिसका ठीकरा केजरीवाल एलजी पर फोड़ते रहे। लेकिन खुद उनकी लोकप्रियता में कमी आती ही गई।

जनता और मुख्यमंत्री के बीच दूरियाँ बढ़ती चली गईं। शुरुआती दौर में केजरीवाल दिल्ली के लोगों से कहते थे कि यहां हर काम जनता के सुझाव पर होगा। इसके लिए मोहल्ला कमिटियाँ बनाई जाएँगी, बजट पास करने के लिए सभी से सुझाव लिये जायेंगे, हर महत्वपूर्ण काम के लिए जनता का सर्वे किया जायेगा और हर विधायक जनता के सीधे संपर्क में रहेगा। लेकिन यह सब थोड़े दिनों में जनता से कनेक्ट रहने की बात ख़त्म हो गई। इसके विपरीत कांग्रेसी नेता अपने लोगों से मिलते-जुलते रहे और अपने कार्यकर्ताओं को फिर से जगाने की कोशिश करते रहे हैं।

आज समय बदल गया है और परिस्थितियाँ भी बदल गई हैं। अरविंद केजरीवाल से कहीं ज्यादा कार्यकर्ताओं में मनीष सिसोदिया की पैठ रही है। उनके जेल जाने से भी पूर्वी दिल्ली में पार्टी के कार्यकर्ता निराश हैं। आतिशी प्रेस कांफ्रेंस तो कर सकती हैं लेकिन कार्यकर्ताओं को संगठित नहीं कर सकती।

दिल्ली में कांग्रेस को किसी बड़े नेता की ज़रूरत नहीं है क्योंकि उसके पुराने खिलाड़ी अभी उसके पास हैं जबकि दिल्ली की सातों सीटों पर चुनाव जीतने के लिए भारतीय जनता पार्टी को नरेन्द्र मोदी की ज़रूरत पड़ेगी। यहां के काडर और नेताओं में वह परिपक्वता नहीं है जो कांग्रेसियों के पास है। केजरीवाल के हिरासत में रहने से भारतीय जनता पार्टी को कोई फायदा होता नहीं दिख रहा है। यह ज़रूर है कि उसके वोटर संतुष्ट हैं।

मुस्लिम मतदाता धीरे-धीरे अब कांग्रेस की ओर जाते दिख रहे हैं। एमसीडी के चुनाव में कांग्रेस को ज्यादा सीटें तो नहीं मिली (सिर्फ 9 मिलीं), लेकिन उसके तीन मुस्लिम उम्मीदवार जीते थे। यह ट्रेंड दिल्ली में भी देखने में आ रहा है कि मुस्लिम मतदाता अब कांग्रेस विरोधी नहीं रहे। वह उसे फिर एक मौक़ा देने को तैयार हैं। केजरीवाल के हिरासत में जाने से उन्हें यह लगने लगा है कि दीर्घकाल में कांग्रेस ही उनके लिए बेहतर ऑप्शन है- आम आदमी पार्टी के भविष्य का क्या भरोसा। अगर केजरीवाल लंबे समय तक अंदर रहे तो कांग्रेस को यह अलग किस्म का एडवांटेज मिलेगा और उसकी पकड़ इस वर्ग पर मजबूत होगी।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सरकार की नीयत सही हो तो नतीजे भी सही आते हैं

पीएम मोदी बोले-कांग्रेस पार्टी लोगों को भड़का रही है

प्रधानमंत्री ने कहा-तीसरे टर्म में फ्री बिजली का टारगेट

रुद्रपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तराखंड के रुद्रपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार तीसरे टर्म में फ्री बिजली देने की योजना बना रही है। हर घर में सोलर बिजली प्लांट लगाने की भी योजना है। उन्होंने कहा, सरकार की नीयत सही हो, तो नतीजे भी सही आते हैं। कांग्रेस के शाही परिवार के शहजादे ने ऐलान किया है कि अगर देश ने तीसरी बार मोदी सरकार को चुना, तो आग लग जाएगी। 60 साल तक देश पर राज करने वाले 10 साल सत्ता से बाहर क्या रह गए, अब देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं। ऐसे लोगों को चुन-चुन कर साफ कर दो, ऐसे लोगों को मैदान में मत रहने दो भाइयों। प्रधानमंत्री ने करीब 40 मिनट तक भाषण दिया।

- मैं कहता हूं- भ्रष्टाचार हटाओ... वो कहते हैं- भ्रष्टाचारी बचाओ

पीएम ने कहा– तमिलनाडु के पास एक कच्चाथीवू द्वीप है। वो द्वीप भारत का हिस्सा था, लेकिन कांग्रेस ने उसको श्रीलंका को दे दिया। कांग्रेस, जिसके नेता देश के टुकड़े करने की बात करते हों, जो कच्चाथीवू को दे देते हों, क्या ऐसी कांग्रेस देश की रक्षा कर सकती है। मैं कहता हूं– भ्रष्टाचार हटाओ। वो कहते हैं– भ्रष्टाचारी बचाओ। लेकिन, मोदी इनकी गालियों और धमकियों से डरने वाला नहीं है। हर भ्रष्ट पर कार्रवाई जारी रहेगी। तीसरे टर्म की शुरुआत में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा। मोदी ने कहा, कांग्रेस के शाही परिवार के शहजादे ने ऐलान किया है, अगर देश ने तीसरी बार मोदी सरकार को चुना तो आग लग जाएगी। 60 साल तक देश पर राज करने वाले 10 साल सत्ता से बाहर क्या रह गए, अब देश में आग लगाने की बात कर रहे।

10 साल में जितना विकास हुआ, आज तक नहीं हुआ

पीएम ने कहा– मोदी ने भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने की गारंटी दी है। तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत का मतलब है– लोगों की कमाई बढ़ेगी। नौकरी के अवसर बढ़ेंगे। गांव–शहर में सुविधा बढ़ेगी।हमें उत्तराखंड को विकसित बनाना है। केंद्र सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही। 10 साल में जितना विकास हुआ, आज तक नहीं हुआ। 12 लाख घरों को पानी कनेक्शन दिया। तीन लाख को स्वामित्व योजना का लाभ मिला। पीएम मोदी ने जनसभा में पंडाल के पीछे धूप में रहने वालों से क्षमा मांगी। कहा– पंडाल सोच से छोटा पड़ गया।

जयशंकर बोले-

आशा है भारत यूएन का स्थायी सदस्य बनेगा

- इसके लिए हमें मेहनत करनी पड़ेगी, दुनिया का रुख भारत के पक्ष में

राजकोट (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बन सकता है। इसके लिए हमें मेहनत करनी पड़ेगी। पूरी दुनिया का रुख इस वक्त भारत के पक्ष में है। जयशंकर ने ये बातें राजकोट में इंटेलेक्चुअल्स के बीच कहीं। अभी यूएनएससी में अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और यूके स्थायी सदस्य हैं। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की स्थापना करीब 80 साल पहले (1945) में हुई थी।

कर्नाटक बीजेपी में मचे विद्रोह को शाह ने किया शांत

- पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा से की बात, दिल्ली बुलाया
- मांड्या से निर्दलीय सांसद सुमलता अंबरीश को भी मनाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कर्नाटक में बीजेपी के भीतर उभरे विद्रोह को शांत कर दिया। गृहमंत्री शाह ने कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा से बात की। इन्होंने राज्य में बीजेपी के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद किया है।

गृहमंत्री ने उन्हें नई दिल्ली में उनसे मिलने को कहा है। गृहमंत्री ने मांड्या से निर्दलीय सांसद सुमलता अंबरीश से भी बात की और उन्हें एनडीए उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए तैयार किया। सूत्रों ने बताया कि अमित शाह ने वरिष्ठ नेता ईश्वरप्पा से बात की। दरअसल ईश्वरप्पा ने चुनाव में शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र में बीजेपी के उम्मीदवार बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई राघवेंद्र के सामने खड़े होने की बात कही है। शाह ने ईश्वरप्पा की बात सुनी और उनसे चुनाव से हटने का अनुरोध किया। गृह मंत्री ने ईश्वरप्पा को बुधवार को नई दिल्ली में उनसे मिलने के लिए आमंत्रित किया है। सूत्रों ने बताया कि ईश्वरप्पा ने नई दिल्ली में शाह से मिलने और अपनी शिकायतों पर चर्चा करने पर सहमति जताई। इस बीच सूत्रों ने बताया कि सुमलता अंबरीश के साथ गृहमंत्री की चर्चा सफल रही। मांड्या की मौजूदा सांसद सुमलता अंबरीश बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहती थीं, लेकिन पार्टी ने यह सीट जद (एस) को दे दी। सुमलता अंबरीश ने कहा कि वह अपने समर्थकों के साथ बैठक के बाद कोई फैसला लेंगी।

सुप्रभात

गर्म होते हुए दूध के पास
खड़े रहना एक तपस्या है
अगर रह जाओ तो देखोगे
तुम्हारे धीरज की परत उस पर कैसे
झिलमिलाने लगी है
परत को फोड़ते हुए
अब उसमें उबाल का कोई प्रारम्भिक बुलबुला
फूटा है
अब उसमें ज्वार बढ़ रहा है
एक पहाड़ उग रहा है
जो पतीली के तटबंध तोड़ कर
प्रपात की तरह गिरने की तैयारी में है
पहले का विलम्बित तुम्हें भरोसे में रख कर
कब यकबयक द्रुत हो जाता है
तुम ठीक ठीक कभी जान नहीं पाओगे
जिस समय तुम्हारे कान
सड़क से गुजरते सब्जी वाले की आवाज़ पर हैं
जिस समय तुम्हारी आंख घड़ी पर है
जिस समय कुकर की सीटी तुम्हारे दिमाग में
बज रही है
जिस समय तुम्हें बिल्कुल समय नहीं है
उसी समय तुम्हारे देखते देखते
उसी समय तुम्हारी नज़र बचा कर
वह उफन जाएगा
बरसों से दूध उफन रहा है
ऊब और आँच के गड़बड़ाए गणित में
इसी तरह जुल देते हुए
बरसों से
तुम उसके सामने
सदमे में, झुंझलाए हुए, पस्त खड़े हो

– आशुतोष दुबे

बालाघाट के जंगलों में हॉकफोर्स की नक्सलियों से मुठभेड़

एक महिला सहित 43 लाख के दो इनामी हार्डकोर नक्सली ढेर

- मारे गए नक्सलियों के पास से एक एके-47 और 12 बोर की राइफल बरामद
- बालाघाट में नक्सल गतिविधियों की शुरुआत से आज तक के इतिहास में पहली बार नक्सलियों से बीजीएल शेल किए बरामद

बालाघाट (नप्र)। बालाघाट में पुलिस मठभेड़ में 29 लाख और 14 लाख के 2 इनामी नक्सली ढेर हो गए। एमपी-छत्तीसगढ़ की सीमा पर केराझरी जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच सोमवार रात मुठभेड़ हुई। मौके पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

पुलिस को मंगलवार तड़के 2 नक्सलियों के शव मिले। सूत्रों के अनुसार अब तक 10 नक्सली के मारे जाने की सूचना थी। इनमें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई वारदात में शामिल रहे 29 लाख के इनामी नक्सली नेता डीवीसीएम सजंती उर्फ क्रांति और 14 लाख के इनामी नक्सली रघु उर्फ शेर सिंह एसीएम शामिल हैं। रघु पर 3 स्टेट की पुलिस ने इनाम घोषित कर रखा था। एसपी समीर सौरभ ने बताया कि नक्सलियों से 1 एके- 47, एक बारह बोर की राइफल और दैनिक जरूरत का सामान बरामद किया है। इस मुठभेड़ में और नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है। सर्चिंग के दौरान रात करीब 9 से 10 बजे के बीच पहले से घात लगाकर बैठे 20 से 25 नक्सलियों ने पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी।

हरियाणा में कांग्रेस की भजनलाल परिवार पर दांव लगाने की तैयारी

- चंद्रमोहन को हिसार से टिकट संभव, बीजेपी के टिकट काटने से कुलदीप बिश्नोई नाराज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में सबसे हॉट सीट मानी जा रही हिसार लोकसभा पर बिश्नोई परिवार की एंट्री हो गई है। कांग्रेस यहां से पूर्व सीएम भजनलाल के बेटे पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन को टिकट देने की तैयारी कर रही है। चंद्रमोहन पंचकूला के कालका से चार बार विधायक रह चुके हैं। इसके अलावा वह हिसार की विधानसभा नलवा से भी 2014 में चुनाव लड़ चुके हैं। इस चुनाव में उन्होंने इनेलो की टिकट से चुनाव लड़े रणबीर गंगवा को कड़ी टक्कर दी थी, हालांकि वह यह चुनाव बहुत कम मार्जिन से हार गए थे। कांग्रेस पार्टी यदि उन्हें यहां से टिकट देती है तो दूसरे दलों के लिए वह मुश्किलें जरूर खड़ी करेंगे। सियासी जानकारों का भी कहना है कि अन्य नेताओं के मुकाबले चंद्रमोहन कांग्रेस प्रत्याशी के लिए बेहतर उम्मीदवार साबित होंगे। चंद्रमोहन अभी ऑल इंडिया कांग्रेस के मेंबर भी हैं। चंद्रमोहन के कांग्रेस पार्टी के द्वारा प्रत्याशी बनाए जाने से भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

सीएम यादव बोले

अधिकारियों का काम जनता को परेशान करना नहीं

रीवा में कहा– अगर इस रास्ते पर जाओगे तो सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी

रीवा (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को रीवा में कहा, अधिकारियों का काम जनता के बीच जनहितैषी योजनाओं को लागू करना है। जनता को परेशान करने के लिए आप अधिकारी नहीं हैं, अगर आप इस रास्ते पर जाओगे तो हमारी सरकार बर्दाश्त करने वाली नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कोठी कंपाउंड में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 30 साल पहले जब मैं बस या ट्रेन से रीवा आता था तो हालत खराब हो जाती थी। उन्होंने यहां के सुंदरजा आम की भी तारीफ की। कांग्रेस पर हमलावर होते हुए कहा कि कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण में बाधा उत्पन्न की। मंच पर कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ली। सीएम ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने इस क्षेत्र की उपेक्षा की है। रीवा के लोग अपनी मीठी जबान के लिए जाने जाते हैं और अपने काम के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि अभिनंदन जब पाकिस्तान में फंस गए थे। तब प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान से कहा कि अगर हमारे सैनिक का बाल भी बांका हुआ तो पाकिस्तान कल का सूरज नहीं देखेगा। हम हालत खराब कर देंगे। देश को 56 इंच के सीने वाला प्रधानमंत्री मिला है। साथ ही जहां-जहां भगवान राम और कृष्ण के कदम पड़े हैं। उन सभी जगहों को हम तीर्थ के रूप में विकसित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पहले रीवा में सभा के बाद भाजपा प्रत्याशी के नामांकन रैली में भी शामिल होने वाले थे। लेकिन जबलपुर और शहडोल में उनके कार्यक्रमों की वजह से वे सभा करने के बाद रीवा से रवाना हो गए। डिप्टी सीएम ने कहा कि पहले अमीर लोग ही एयर एम्बुलेंस का उपयोग कर पाते थे। लेकिन अब हमारी सरकार में गरीबों को भी एयर एम्बुलेंस की सुविधा मिल रही है। लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को लगातार बेहतर बनाया जा रहा है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 03 अप्रैल 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने किया कैलेंडर का विमोचन

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा के वर्ष 2024 के कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव ए.पी.सिंह एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। मध्यप्रदेश विधानसभा के कैलेंडर में विगत वर्ष की प्रमुख गतिविधियों का सुदंर चित्रण तो है ही साथ ही शासकीय अवकाश, प्रमुख त्यौहारों, आयोजनों की भी जानकारी है। कैलेंडर के प्रथम पृष्ठ पर मध्यप्रदेश विधानसभा के भवन विहंगम दृश्य है। भीतर के पृष्ठों पर नव निर्वाचित सदस्यों के प्रबोधन कार्यक्रम में पधारे माननीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को विधानसभा अध्यक्ष द्वारा संविधान की प्रति भेंट किए जाने, माननीय विधानसभा अध्यक्ष द्वारा गणतंत्र दिवस पर मुरैना में परेड का निरीक्षण, उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के साथ विधानसभा अध्यक्ष की सौजन्य भेंट, विधानसभा सदस्यों के साथ समूह चित्र जैसे महत्वपूर्ण क्षणों के संग्रहणीय चित्र संजोए गए हैं।

संजय सिंह की 'आजादी' ईडी को भी मंजूर

जमानत का नहीं किया विरोध, एससी ने लगाई 'शर्त'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में पिछले साल अक्टूबर में गिरफ्तार किए गए राज्यसभा सांसद संजय सिंह को जमानत मिल गई है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जमानत दे दी। छह महीने से अधिक तक जेल में बंद रहे संजय सिंह की जमानत का प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी विरोध नहीं किया। कोर्ट की इस जमानत के बाद केस का ट्रायल पूरा होने तक संजय सिंह को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। हालांकि, जेल से बाहर आने के बाद संजय सिंह शराब घोटाले को लेकर टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। देश की सबसे बड़ी अदालत ने संजय सिंह को जमानत देते हुए कहा है कि वह शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले पर कोई टिप्पणी न करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'आप' नेता संजय सिंह की जमानत से जुड़े नियम और शर्तें अधीनस्थ अदालत की ओर से तय की जाएंगी। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यदि संजय सिंह को जमानत मिलती है तो उसे इस पर कोई आपत्ति नहीं है। जस्टिस संजीव खन्ना,दीपांकर दत्ता और पीबी वराले की पीठ ने 6 महीने से जेल में बंद संजय सिंह को रिहा करने का आदेश दिया।

बाबा रामदेव और बालकृष्ण अदालत में फिर होंगे पेश

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को भी फटकारा, दिया आखिरी मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पतंजलि आयुर्वेद की ओर से भ्रामक विज्ञापन और एलोपैथी चिकित्सा को निशाने पर लेने के मामले में आज योग गुरु रामदेव खुद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। उनके साथ पतंजलि के एमडी आचार्य बालकृष्ण भी अदालत में दिखे। इस दौरान रामदेव ने वकील के माध्यम से कहा कि हम निजी तौर पर अदालत में हैं और माफी मांगते हैं, जिसे रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। इस पर अदालत ने कहा कि आपको पहले ही चेतावनी दी गई थी और आपने एफिडेविट भी दाखिल किया था। फिर क्यों इस तरह की गलती हुई। यह पूरी तरह से अवमानना है। केवल उच्चतम न्यायालय ही नहीं बल्कि देश भर की सभी अदालतों द्वारा पारित हर आदेश का सम्मान किया जाना चाहिए। अदालत ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को निजी तौर पर फिर से अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। अब दोनों को 10 अप्रैल को फिर कोर्ट में हाजिर रहना होगा। इसी दिन पतंजलि और योग गुरु रामदेव को हलफनामा भी दाखिल करना होगा। अदालत ने कहा कि हम आपको आखिरी मौका देते हैं और जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का वक्त है। उच्चतम न्यायालय ने हलफनामे में पतंजलि के प्रबंध निदेशक के बयान को खारिज कर दिया।

पाठकों तक तथ्यात्मक एवं सही जानकारी पहुंचाएँ

राज्य स्तरीय मीडिया वर्कशॉप में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन

भोपाल (नप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024-मीडिया निर्वाचन संबंधी तथ्यात्मक एवं सही जानकारी पाठकों तक पहुंचाएँ। आयोग का प्रयास है कि मीडिया को निर्वाचन संबंधी सभी अद्यतन जानकारियाँ दी जाएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने यह बात प्रशासन अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय मीडिया वर्कशॉप में कही। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में मीडिया की अहम भूमिका है।

श्री राजन ने कहा कि सभी मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य में मीडिया का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। मतदाता जागरूकता अभियान में मीडिया भी सहभागिता करे। श्री राजन ने कहा कि वे लगातार मीडिया के संपर्क में रहते हैं, जिससे उनकी शंकाओं का समाधान किया जा सके और पाठकों तक सही जानकारियाँ पहुंचे।

प्राधिकार पत्र धारक पत्रकारों को मिलेगी पोस्टल बैलेट की सुविधा- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्राधिकार पत्रधारक पत्रकारों को पोस्टल बैलेट से मतदान करने

की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पत्रकार मतदान के दिन कव्हरेज में व्यस्त होने पर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 85 वर्ष से अधिक उम्र और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को उनकी इच्छा पर उन्हें घर से वोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर भी दिये।

पत्रकार आयोग के आँख और कान- संयुक्त निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री ने कहा कि पत्रकार आयोग के आँख और कान हैं। उन्होंने कहा कि आपके माध्यम से आयोग को ऐसी जानकारियाँ मिल जाती हैं, जो कई बार प्रशासन की नजरों में नहीं आ पाती हैं। श्री खत्री ने कहा कि एमसीएमसी कमेटी के अनुमोदन के बाद ही राजनैतिक विज्ञापन जारी किये जाएं। विज्ञापन समाचार के रूप में नहीं देना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से नेशनल मीडिया अवार्ड के लिये नामांकन दर्ज करने का भी आग्रह किया।

नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर प्रोफेसर पी.एन. सनेसर और डॉ. वाय.पी. सिंह ने सी-विजिल एप, केवाईसी, एमसीएमसी, पेड न्यूज, मीडिया एथिक्स और मतदान एवं मतगणना के दिन मीडिया कव्हरेज सहित विभिन्न चुनावी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

लोकसभा चुनाव पर 'ईसी' की होगी सख्त नजर

चुनाव आयोग ने की स्पेशल ऑब्जर्वर्स की नियुक्ति

पूर्व नौकरशाहों पर भरोसा,धनबल-सुरक्षा पर निगाहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्शन कमीशन ने लोकसभा चुनाव में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। कई राज्यों में प्रशासनिक, सुरक्षा और व्यय निगरानी के मकसद से ने इन्हें अपॉइंट किया गया है। आयोग ने कहा कि ये विशेष पर्यवेक्षक शानदार काम की पृष्ठभूमि वाले पूर्व नौकरशाह हैं। ये धनबल, बाहुबल और गलत सूचना के चलते पैदा होने वाली चुनौतियों को देखते हुए चुनावी प्रक्रिया की सख्ती से निगरानी करेंगे। निर्वाचन आयोग का कहना है कि विशेष पर्यवेक्षकों (सामान्य और पुलिस) को पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार में तैनात किया गया है, जहां की आबादी 7 करोड़ से अधिक है। इनकी तैनाती आंध्र प्रदेश और ओडिशा में भी की गई, जहां लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव भी होना है। उसने कहा कि आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में विशेष व्यय पर्यवेक्षक भी तैनात किए गए हैं। 1988 बैच के राजस्थान कैडर के रिटायर्ड ऑफीसर मंजीत सिंह और 1981 बैच के पूर्व आईपीएस विवेक दुबे को बिहार में चुनावी गतिविधियों पर नजर रखनी है। इनके अलावा, पूर्व ऑफीसर धर्मेंद्र एस गंगवार और 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी एनके मिश्रा की नियुक्ति महाराष्ट्र के लिए हुई है।

आर्थिक दुर्दशा के लिए कोई और नहीं आप खुद जिम्मेदार

एससी ने चुनावों से पहले केरल सरकार का दांव कर दिया फेल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अपने आर्थिक कुप्रबंधन और दुर्दशा के लिए केरल खुद जिम्मेदार है। इसके साथ ही कोर्ट ने केरल को अधिक धन उधार लेने की अनुमति देने के मामले में कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने राज्यों के कर्ज लेने की क्षमता पर केंद्र सरकार की तरफ से सीमा तय करने के केंद्र बनाम केरल मामले को संविधान पीठ को सौंप दिया है। अब पांच जजों की पीठ इसकी सुनवाई करेगी। सोमवार को राज्यों की उधार लेने की क्षमता को सीमित करने के केंद्र के फैसले के खिलाफ केरल की याचिका पर सुनवाई हो रही थी। केरल ने अपने मुख्य सचिव के माध्यम से केंद्र के फैसले को चुनौती दी थी। केरल ने अपनी याचिका में सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि केंद्र सरकार को केरल पर लगाए गई उधारी सीमा प्रतिबंधों में ढील देने का निर्देश दिया जाए लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने माना कि केरल तीन न्यायिक पहलुओं को स्थापित करने में विफल रहा है,जिसमें अपने को साबित करना,कर्ज सुविधा का संतुलन बनाना है।

शरद पवार को लगेगा एक और बड़ा झटका

- एनसीपी के बड़े नेता के दिल्ली आने से चर्चा हुई गर्म

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले शरद पवार गुट की एनसीपी को करारा झटका लगने वाला है। जलगांव से आने वाले दिग्गज नेता एकनाथ खडसे भाजपा में वापसी कर सकते हैं, जहां वह लंबे समय तक रहे थे। यदि वह शरद पवार की एनसीपी को छोड़ते हैं तो यह पार्टी के लिए करारा झटका होगा। चर्चा है कि लोकसभा चुनाव के पहले राउंड की वोटिंग से पहले ही एकनाथ खडसे भाजपा में जा सकते हैं। खडसे इन चर्चाओं को खारिज कर रहे हैं, लेकिन कयास थम नहीं रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि वह रविवार से ही दिल्ली में हैं और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की कोशिश में हैं। भाजपा के शीर्ष नेताओं से मुलाकात के बाद वह एनसीपी शरदचंद्र पवार को छोड़ने का ऐलान कर सकते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि भाजपा ने रावेर लोकसभा सीट से उनकी बहन रक्षा खडसे को उम्मीदवार बना दिया है।

सनातन धर्म विवाद

स्टालिन की एफआईआर क्लब करने की मांग

- सुप्रीम कोर्ट बोला-आपने स्वेच्छा से बयान दिया,अपनी तुलना मीडिया से नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 1 अप्रैल को तमिलनाडु के मंत्री और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन की याचिका पर सुनवाई की। इसमें उन्होंने सनातन धर्म खत्म करने वाले कमेंट पर अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर क्लब करने की मांग की थी। स्टालिन के खिलाफ उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र में एफआईआर दर्ज हैं। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता ने स्टालिन से कहा कि वे अपनी तुलना मीडिया से नहीं कर सकते। कोर्ट ने याचिका में बदलाव करने और इसे धारा 406 के तहत दायर करने का आदेश भी दिया। मामले की अगली सुनवाई 6 मई को होगी। उदयनिधि ने याचिका में कहा था कि रिपब्लिक टीवी के एंकर अर्णब गोस्वामी, मोहम्मद जुबैर, अमीश देवगन से जुड़े मामलों की तरह उनके खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर क्लब कर दी जाएं। सुनवाई के दौरान स्टालिन की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के मामले का हवाला दिया।

लोकसभा 2024 के लिए सीएम मान ने संभाला मोर्चा

- फरीदकोट-पटियाला के विधायकों से की मुलाकात, चुनावों से पहले नाराजगी करेंगे दूर

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के जालंधर से विधायक शीतल अंगुराल और पूर्व सांसद व घोषित उम्मीदवार सुशील कुमार रिंकू के भाजपा में जाने के बाद अब मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मोर्चा संभाल लिया है। विधायकों में असंतोष को दूर करने के लिए सीएम भगवंत मान ने अब लोकसभा हलकों में जाकर विधायकों से मुलाकात करना शुरू कर दिया है। ताकि उन्हें दल बदलने से रोका जा सके और उनकी मुश्किलों का हल किया जा सके। मुख्यमंत्री भगवंत मान आज पटियाला और फरीदकोट में पहुंचे। जहां उन्होंने विधायकों से एक साथ बैठ कर बातचीत की है। इतना ही नहीं, उनकी मुश्किलों को भी सुना है। आश्वासन दिया गया है कि विधायकों की मुश्किलों को पहल के आधार पर दूर किया जाएगा।

बीजेपी को घोषणा-पत्र के लिए मिले 3.75 लाख सुझाव

- अभी कई चरणों से गुजरेगी पार्टी की मैनिफेस्टो बनने की प्रक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की सोमवार को चुनाव घोषणापत्र समिति की पहली बैठक हुई जिसके केंद्र में सरकार के 'विकसित भारत' का एजेंडा और उसकी रूपरेखा रही। आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रमुख वादों पर चर्चा करने के लिए आठ केंद्रीय मंत्रियों और तीन मुख्यमंत्रियों ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने की।

बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पार्टी को अपनी मिस्ड कॉल सेवा के

माध्यम से 3.75 लाख से अधिक सुझाव मिले हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऐप (नमो) पर लगभग 1.70 लाख सुझाव मिले हैं। उन्होंने कहा, ''बैठक में 2047 तक विकसित भारत के खाके पर चर्चा की गई। हमारे घोषणापत्र में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी प्रधानमंत्री में उनके भरोसे और उनसे उनकी अपेक्षाओं को दर्शाती है।'' भाजपा नेताओं ने कहा कि लोगों से प्राप्त सभी सुझावों को विभिन्न श्रेणियों में बांटा जाएगा और फिर समिति की अगली बैठक उनपर विचार विमर्श करके छांटा जाएगा। मोदी द्वारा गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए अपनी सरकार की प्राथमिकताओं को लगातार रेखांकित किए जाने के साथ सत्तारूढ़ पार्टी उनसे जुड़े मुद्दों को प्रमुखता दे सकती है। समिति के सह-संयोजक गोयल ने कहा कि देश के 3,500 विधानसभा क्षेत्रों में 916 वीडियो वैन भी चलाई गईं, जो लोगों तक पहुंची और घोषणापत्र के लिए उनके विचार मांगे। भाजपा ने लोकसभा चुनावों के लिए शनिवार को 27 सदस्यीय घोषणा पत्र समिति गठित की थी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को संयोजक तथा गोयल को सह-संयोजक बनाया गया है।

नैरोगेज रेलवे लाइन का पुल गिरा, 6 मजदूर घायल

मुरैना में पुराने ब्रिज को काट रहे थे, दीवार ढहने से 50 फीट नीचे गिरे

मुरैना (नप्र)। मुरैना के जौरा में नैरोगेज लाइन का पुल गिरने से 6 मजदूर घायल हो गए। अंग्रेजों के समय बने इस पुल को मंगलवार दोपहर मजदूर गैस कटर से काट रहे थे। सभी ऊपर बैठे हुए थे। सभी पुल के साथ 50 फीट नीचे जा गिरे। एक मजदूर को गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया है। बाकी जिला अस्पताल में भर्ती हैं। गनीमत यह रही कि पुल के नीचे बारिश का पानी भरा था। ग्वालियर से श्योपुर होते हुए राजस्थान के कोटा तक ब्रॉडगेज रेलवे लाइन का काम चल रहा है। इसके लिए नैरोगेज लाइन को उखाड़ा जा रहा है। जौरा तक नई ब्रॉडगेज लाइन पर ट्रेन शुरू हो चुकी है। जौरा के बाद पुरानी नैरोगेज रेलवे लाइन हटाने का काम चल रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद ठाकुर ने बताया कि नीलामी के बाद राजस्थान के एक ठेकेदार को पुल हटाने का काम मिला है। मजदूर काम करने के लिए पुल के ऊपर बैठे थे, तभी एक तरफ की दीवार गिरने से हादसा हो गया। घायलों की हालत स्थिर है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद ठाकुर ने बताया कि दीवार गिरने से ब्रिज ढह गया।

दो दिन से काम कर रहे थे मजदूर - घायल मजदूर लालू ने बताया कि 2 दिन से काम कर रहे हैं। सिकरौदा वाला ब्रिज कंडम है। रेलवे ने इसे हटाने के लिए टेंडर दिया है। हम इसे हटाने गए थे। हादसे में उदयवीर, सुबराती खान, भोला खान, फिरोज खन व इकबाल खान भी घायल हुए हैं।

इंदौर कलेक्टर ने सर्वे कराया तो चौंकाने वाला खुलासा

40 सरकारी मंदिरों की जमीन पर भी कब्जा ; कहीं मकान..कहीं कॉलोनी कट गई

इंदौर (नप्र)। कब्जाधारियों ने सरकारी मंदिरों की जमीन को भी नहीं छोड़ा। जिले के 40 ऐसे मंदिर हैं, जिनकी जमीन पर कहीं मकान, कहीं दुकान तो कहीं कॉलोनी ही कट गई। एक मंदिर की जमीन पर तो निजी कॉलेज ने कब्जा कर लिया है। प्रशासन के सर्वे में यह खुलासा हुआ है। अब कब्जाधारियों को नोटिस देकर कार्रवाई होगी।

कलेक्टर आशीष सिंह ने सरकारी मंदिरों की जमीन का सर्वे करवाया तो कई चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। सर्वे में तहसीलवार शासकीय मंदिर का नाम, कुल जमीन, अतिक्रमण है तो किस तरह का, कितनी जमीन पर, अतिक्रमणकर्ता का नाम, पुजारी का नाम तक पूछा गया था। कलेक्टर ने कहा अभी जहां रहवास नहीं है, वहां नोटिस दिए जा रहे हैं। जवाब मिलने के बाद इन्हें

हटाने की कार्रवाई होगी।

अगले चरण में सरकारी जमीनों पर बने अवैध धर्मस्थलों की जांच होगी- प्रशासन ने अभी जो जांच करवाई है, यह सिर्फ मंदिरों के नाम से अधिकृत जमीनों की जांच है। शहर में बड़े पैमाने पर सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से धर्मस्थल बन गए हैं, उनकी जांच अभी नहीं हुई है। फिलहाल आचार संहिता है, इसलिए प्रशासन इस दिशा में अभी कार्रवाई शुरू नहीं कर रहा। प्रशासन को इस तरह की शिकायत कई रहवासियों से मिली है, जिसमें कहा गया है कि पूर्वी रिंग और पश्चिमी रिंग रोड के अधिकांश ग्रीन बेल्ट पर बड़ी संख्या में धर्मस्थल के नाम पर अवैध कब्जा हो गया है। राजमोहल्ला चौराहा, शहर और शहरी सीमा से लगे मंदिरों की जमीन पर नजर। लाबरिया भेरू चौराहा, धार की ओर, गंगवाल बस स्टैंड ,खालसा कॉलेज ग्राउंड, मल्हारगंज तहसील के कबीटखेड़ी स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर की जमीन पर आईडीए की स्कीम, प्लॉटिंग भी हो चुकी। भमोरी दुबे स्थित मंदिर में अवैध मकान बन गए। भौंरासला के बैजनाथ मंदिर में पार्किंग व गुमटियां। यह निजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का अतिक्रमण है। महादेव मंदिर, नरवर में अवैध मकान। लाबरिया भेरू मंदिर की जमीन पर पेट्रोल पंप, बैंक भवन और गार्डन बनाकर कब्जा। श्रीराम मंदिर छोटा बांगड़दा में अवैध कॉलोनी कट गई। खेती भी हो रही है। रणछोड़ मंदिर सुल्काखेड़ी में कॉलेज, गोडाउन, दाल मिल, रहवासी मकान भी। सुल्काखेड़ी के गोवर्धननाथ मंदिर और इनामदेव स्थान महादेव सिरपुर में महेश नगर और गंगा कॉलोनी की बसाहट। यहां पुजारी भी नियुक्त नहीं। बिचौली हप्सी स्थित गुटकेश्वर मंदिर में टीन शेड बनाकर 0.027 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा।

बिचौली हप्सी के ही खेड़ापति मंदिर में खेती हो रही

जूनी इंदौर के कांटाफोड़ मंदिर में 8 दुकानें बन गईं। जूनी इंदौर के ही हनुमान मंदिर-नृसिंह मंदिर में 12 से 15 मकान बनाकर कुछ लोगों का अतिक्रमण।

इंदौर जिला प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

भू-माफिया के कब्जे से मुक्त कराई बेशकीमती जमीन

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मंगलवार को भू माफियाओं से बेशकीमती शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन के अमले द्वारा नगर निगम के सहयोग से बड़ी कार्यवाही की गई है। यह कार्यवाही कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में की गई। इस कार्यवाही में तहसील राऊ स्थित ग्राम तेजपुर गड़बड़ी की अन्नपूर्णा मंदिर के समीप स्थित 4.967 हेक्टेयर शासकीय भूमि भू माफियाओं से अतिक्रमण मुक्त की गई। इस भूमि का बाजार मूल्य 400 से 500 करोड़ रुपए अनुमानित है। अपर कलेक्टर सपना लोवंशी ने बताया कि तहसील राऊ स्थित ग्राम तेजपुर गड़बड़ी स्थित भूमि सर्वे नंबर 56, 57, 58, 59, 99/1 कुल रकबा 4.967 हेक्टेयर जिसका लैंड यूज पीएसपी एवं रेसीडेंशियल है। गाईड लाईन वेल्यू

118.21 करोड़ है तथा वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 400 से 450 करोड़ है।भूमाफियाओं द्वारा वर्ष 2000 से शासन द्वारा जारी परिपत्रों का गलत दुरूपयोग करते हुए इंदौर शहर के बीचों-बीच स्थित भूमियों पर लगभग 25 खंडहरनुमा छोटे-छोटे कमरे बना रखे थे जो कि लगभग लगभग 100 फीट दूर स्थित थे। उक्त कमरों में बिजली, पानी, सीवरेज लाईन, सड़क आदि की कोई व्यवस्था नहीं थी। अतिक्रमण कर्ताओं द्वारा अवैध कालोनी दिखाकर व्यवस्थापन का लाभ लेने के उद्देश्य से भूमियों को हड़पने का षड्यंत्र रचा जा रहा था तथा शासन को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था।

मौके पर अवैध कालोनी के कोई भी साक्ष्य नहीं पाए गए। बताया गया कि वर्ष 2021 में तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह द्वारा भी अपने जांच प्रतिवेदन में उक्त भूमि पर कालांतर में किए गए अतिक्रमण को हटाया जाकर राज्य शासन के पक्ष में सुरक्षित किये जाने हेतु इंदौर संभागायुक्त को लिखा गया था।

नशे के लिए लूटने वाली युवती पकड़ाई

दोस्त के साथ करती थी वारदात, व्यापारी का मोबाइल बरामद

इंदौर (नप्र)। इंदौर के विदुर नगर में दो दिन पहले व्यापारी को चाकू की नोक पर लूटने वाली युवती और उसके साथी को पुलिस ने पकड़ लिया है। दोनों नशे के आदी हैं। वे नशे के लिए ही लूट करते हैं।टीआई संजू कामले से आशुतोष चौधरी ने शिकायत की कि रानीपुरा में अपनी दुकान से वे देर शाम बैग लेकर आ रहे थे। तभी उन्हें एक युवक और युवती मिले। दोनों ने चाकू निकाला और बैग में रखे 40 हजार रुपए और मोबाइल लेकर भाग गए। पुलिस ने आसपास नशेड़ियों की जानकारी निकाली। तो पता चला कि छोटू और काजल ने यह लूट की है। पुलिस ने सोमवार शाम दोनों को पकड़ लिया। उनसे व्यापारी का मोबाइल बरामद कर लिया है।

लूट में ऑटो ड्राइवर और साथी पकड़ाए- इंदौर संयोगितागंज में दीपक प्रजापति निवासी मूसाखेड़ी के साथ ऑटो रिक्शा के ड्राइवर और उसके तीन साथियों ने लूट की वारदात की। आरोपी पर्स छीनकर भाग गए। पर्स में 12 सौ रुपए रखे थे। इस मामले में रिक्शा नंबर के आधार पर पुलिस आरोपियों के घर पहुंची। यहां से अजय वर्मा, आशीष पैमाल, बबलू सहित एक नाबालिग साथी को पुलिस ने पकड़ा है। आरोपियों से दीपक का लूटा हुआ पर्स भी बरामद कर लिया। आरोपियों ने बताया कि लूट के रुपए से शराब पी ली थी।

गीता भवन पर कैफे में तोड़फोड़

कस्टमर और मालिक को पीटा, तीन युवकों पर केस दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के पलासिया इलाके में एक कैफे में मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पूरे कैफे में तोड़फोड़ कर डाली। मौके पर सूचना के बाद पुलिस पहुंची। बताया जाता है कि कैफे संचालक से पहले आरोपियों की कहासुनी हुई। इसके बाद उन्होंने कस्टमर से आकर बदसलूकी की और फिर विवाद किया।पलासिया पुलिस के मुताबिक उल्लास वर्धन शर्मा निवासी बृजेश्वरी एनेक्स बंगाली चौराहे की शिकायत पर पुलिस ने दीपक धीमान, हर्ष बनौधा और विनय के खिलाफ तोड़फोड़ सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। उल्लास वर्धन ने बताया कि वह गीताभवन अलंकार पॉइंट पर मैत्री अमृत तुल्य नाम से चाय कैफे संचालित करता है। सोमवार को तीनों लड़के वहां पहुंचे और कस्टमर से अपशब्द कहते हुए नाम पते पूछने लगे। इस बात पर उल्लास ने आपत्ति ली। जिस पर उल्लास को भी धक्का दिया और कुर्सी उठाकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने दो कस्टमर करण सोनी और आशू जैन के साथ भी मारपीट की। आरोपियों ने इसके बाद पत्थर उठाया और अंदर के कांच फोड़ दिए। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

एचआर मैनेजर युवती को धमकी

राहगीरों ने देखा तो ऑटो चालक को पीटा, अब केस दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राजेन्द्र नगर पुलिस ने एचआर मैनेजर युवती की शिकायत पर एक ऑटो ड्राइवर के खिलाफ धमकाने और मारपीट का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक शिवानी शर्मा निवासी राजेन्द्र नगर विजय नगर इलाके में निजी कंपनी में एचआर मैनेजर है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित शिवानी राजीव गांधी चौराहे तक आई बस से आई थी। इसके बाद ऑटो रिक्शा से राजेन्द्र नगर जाने के लिये निकली। रास्ते में ऑटो ड्राइवर ने पहले रुपए देने को कहा। शिवानी ने मना किया तो ड्राइवर अपशब्द कहने लगा। कुछ दूरी पर ऑटो रिक्शा रोककर विवाद करने लगा फिर धमकी भी दी। इस बीच राहगीरों ने ड्राइवर को पीट दिया। पूरे घटनाक्रम की शिकायत शिवानी ने पुलिस से की है।

इंदौर से मार्च में उड़े 3.32 लाख यात्री

मार्च में हर दिन उड़े 10 हज़ार 714 यात्री, एक साल में 40 लाख तक यात्री उड़ान भरेंगे यहां से

इंदौर (नप्र)। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर से यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मार्च लगातार तीसरा ऐसा महीना रहा है, जिसमें एयरपोर्ट से यात्रियों की संख्या 3 लाख से अधिक पहुंची है। इंदौर एयरपोर्ट से मार्च में हर दिन औसतन 10 हजार 714 यात्रियों ने उड़ान भरी है। वहीं औसतन हर दिन 85 उड़ानों का संचालन हुआ है। जो पिछले सात माह में सबसे अधिक है। वहीं ट्रेवल एजेंट का कहना है कि अब सीजन आने पर इसमें और इजाफा होगा। बता दें कि पिछले साल मार्च में इंदौर एयरपोर्ट से 2,159 उड़ानों में 2,73,364 यात्रियों ने उड़ान भरी थी। इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार मार्च में मौसम का कोई खास असर उड़ानों के संचालन पर नहीं पड़ा है। उड़ानें लेट जरूर हुई, लेकिन निरस्त उड़ानों की संख्या कम रही है। इस कारण यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। पूरे मार्च में कुल 3 लाख 32 हजार 160 यात्रियों ने सफर किया है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि सबसे अधिक 11 हज़ार 378 यात्रियों ने 7 मार्च को यात्रा की है। जबकि होली वाले दिन 25 मार्च को इंदौर से केवल 9 हज़ार 456 यात्रियों ने सफर किया था।

इस साल 40 लाख पहुँच सकती है संख्या- प्रबंधन के अनुसार 2022 में जहां इंदौर से 22 हजार 463 उड़ानों का संचालन

हुआ था और 24 लाख 25 हजार यात्रियों ने सफर किया था, वहीं 2023 में 28 हजार 851 उड़ानें उड़ी और इनसे 35 लाख 39 हजार 406 यात्रियों ने सफर किया था। लेकिन इस साल 2024 में यह संख्या 40 लाख तक पहुंचने की संभावना है।

इंदौर-काशी के लिए डायरेक्ट फ्लाइट, उड़ान का शेड्यूल और किराया

इंदौर-वाराणसी के बीच सीधी उड़ान शुरू होने जा रही है। इस फ्लाइट का संचालन इंडिगो एयरलाइंस करेगी। इंडिगो ने मार्च से शुरू हुए समर शेड्यूल में इसका प्रस्ताव एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को दिया था। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार इंडिगो सप्ताह के सातों दिन इस फ्लाइट का संचालन करेगी। बता दें कि इंडिगो पहले भी इंदौर-वाराणसी के लिए सीधी उड़ान का संचालन करती थी, लेकिन कोरोना काल के दौरान यह फ्लाइट बंद हो गई थी। अब यात्रियों की मांग को देखते हुए कंपनी इसे आज से दोबारा शुरू करने जा रही है।

धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

यदि किसी को एक ही दिन में लौटना हो तो यह फ्लाइट काफी सुविधाजनक रहेगी। सुबह 11 बजे वाराणसी पहुंचने के बाद श्रद्धालु दर्शन-भ्रमण कर रात में लौट भी सकेंगे। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि इंदौर से वाराणसी फ्लाइट शुरू होने से धार्मिक पर्यटन को सबसे ज्यादा बढ़ावा मिलेगा।

ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र आर्यमन ने महाकाल के दर्शन किए

कहा- पिता बड़े मार्जिन से चुनाव जीतें और जनता की आशा पूरी हो, घायल पुजारियों से मिलने इंदौर भी गए

उज्जैन (नप्र)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र आर्यमन सिंधिया सोमवार को उज्जैन पहुंचे थे, यहाँ उन्होंने भगवान महाकाल के दर्शन किये। इस दौरान उन्होंने कहा की मेरे पिता एक बड़े मार्जिन से लोकसभा का चुनाव जीते और जनता की आशाओं पर खरा उतरें। नागरिक उड्डयन मंत्री और गुना से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र आर्यमन दोपहर को दिल्ली से उज्जैन पहुंचे और सीधे महाकाल मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन किये। इस दौरान उन्होंने नंदी हाल से बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। बाबा महाकाल की पूजा अर्चना की और नंदी गृह में नदी के कानों में अपने मन की बात भी कही। दर्शन के बाद बातचीत में युवराज आर्यमन सिंधिया ने कहां की उज्जैन से सिंधिया परिवार का पुराना नाता है। इसी कारण महाकाल मंदिर के विकास पर विशेष फोकस रहता है। महाकाल मंदिर में हुई आगजनी की घटना दुखद है। घटना में दोषियों पर कार्रवाई की बात भी आर्यमन ने की।

अप्रैल के पहले हफ्ते में गर्मी से राहत

तीसरे हफ्ते में हीट वेव के आसार ; पांच साल पहले 43 डिग्री था तापमान

इंदौर (नप्र)। इंदौर में अप्रैल की शुरुआत इस बार राहत वाली रही। माह की शुरुआत में दिन का तापमान 36 डिग्री और रात का तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहा। दरअसल पिछले चार दिनों से गर्मी के तेवर नरम हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक करीब 15 दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। अभी ऐसा सिस्टम बना है कि बार-बार बादल छा रहे हैं और तेज धूप नहीं होने से तापमान में गिरावट है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस बार अप्रैल के तीसरे हफ्ते में हीट वेव अपना असर दिखाएगी।पिछले दो दिनों से दिन और रात तापमान 36 डिग्री बना हुआ है। अभी गर्मी को प्रभावित करने के तीन कारण हैं। इसमें वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और राजस्थान में बना चक्रवात खास कारण हैं। तीसरा कारण बादलों का बार-बार छाना है। इससे तापमान में इजाफा नहीं हो रहा है। 6 अप्रैल के बाद एक और

सिस्टम एक्टिव होगा। इससे तापमान 39 डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके बाद तीसरे हफ्ते में तापमान बढ़ने के आसार हैं।

2019 में 43 डिग्री था तापमान

बीते 10 सालों में अप्रैल माह सबसे ज्यादा तापमान 30 अप्रैल 2019 को 43.5 डिग्री सेल्सियस था। 2023 में दिन का तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह बीते 10 सालों में दिन के लिहाज से सबसे कम रहा। 10 सालों में रात का सबसे कम तापमान 2 अप्रैल 2021 और 1 अप्रैल 2023 को 17.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

इंदौर की होटल में ऑस्ट्रेलिया नागरिक का शव मिला

हार्ट अटैक आने की आशंका, पोस्टमार्ट्म के लिए शव एमवाय अस्पताल भेजा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के लसूड़िया इलाके की होटल में मंगलवार दोपहर एक ऑस्ट्रेलियन नागरिक का शव मिला। पुलिस मौके पर पहुंची है। जांच की जा रही है। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक मृतक ग्रेविन एन्ड्रूरेले बेल निवासी ऑस्ट्रेलिया है। स्कीम नंबर 78 की होटल ग्रैंड सूर्या में रुके थे। सुबह उन्होंने अपने रूम का गेट नहीं खोला। होटल स्टाफ ने फॉलोअप किया तो भी सामने से कोई जवाब नहीं मिला। स्टाफ ने लसूड़िया पुलिस को सूचित किया। थाने से स्टाफ होटल पहुंचा है। मामले में जांच की जा रही है। ग्रेविन के सोलर कंपनी से जुड़े थे। उनका उज्जैन में प्रोजेक्ट चल रहा है। इसलिए वे इंदौर की होटल में रुके थे।

संभवत : हार्ट अटैक से हुई मौत

सूचना के बाद एसीपी विजयनगर कृष्णानंद लालवानी सहित अन्य अफसर मौके पर पहुंचे। मौत के पीछे की वजह हार्ट अटैक बताई जा रही है। पुलिस अफसरों के मुताबिक वह सोलर सिस्टम की कंपनी के लिये काम करते थे। जिसका प्रोजेक्ट का काम उज्जैन में चल रहा है। जानकारी कें मुताबिक वह 15 फरवरी से इंदौर में आए हुए थे। इसके बाद से ही होटल में रूके हुए थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये एमवाय अस्पताल भेजा है।

नौवीं में 16 तो 11वीं में 8 प्रतिशत ज्यादा छात्राएं पास

बेटियां फिर अव्वल ; पांच हजार विद्यार्थियों को फर्स्ट डिवीजन

इंदौर (नप्र)। 9वीं और 11वीं के रिजल्ट घोषित हो गया है। 9वीं का रिजल्ट 71.34 फीसदी रहा तो 11वीं में 85.20 फीसदी स्टूडेंट्स उत्तीर्ण हुए। दोनों ही कक्षाओं में लड़कियों ने बाजी मारी। स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार 9वीं में लड़कों की तुलना में जहां 16 फीसदी अधिक लड़कियां पास हुईं तो 11वीं में यह आंकड़ा आठ फीसदी ज्यादा रहा। जिले में 23 हजार 446 विद्यार्थियों ने 9वीं और 11वीं की परीक्षा दी थी।वहीं 9वीं में 3113 तो 11वीं में 707 विद्यार्थी फेल हुए। 23 मार्च को दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं खत्म हुई थीं। 28 मार्च को मूल्यांकन पूरा होने के बाद 1 अप्रैल को रिजल्ट घोषित किया गया। लोकसभा चुनाव के चलते इस बार परीक्षा और रिजल्ट दोनों ही जल्द हुए। 23 मार्च तक चली दोनों परीक्षा ८6 से 23 मार्च तक दोनों कक्षाओं की परीक्षा चली। 9वीं में कुल 13 हजार 899 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल

हुए थे, हालांकि रजिस्ट्रेशन 14 हजार 567 ने कराया। 11वीं में परीक्षा देने वालों का आंकड़ा 9 हजार 547 रहा था।

9 हजार 547 ने दी थी 11वीं की परीक्षा

देपालपुर सबसे आगे : स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी रिजल्ट में देपालपुर ने दोनों ही कक्षाओं में बाजी मारी। 11वीं में देपालपुर में 90.74 फीसदी विद्यार्थी पास हुए हैं। दूसरे नंबर पर इंदौर (86.47), तीसरे पर महू (82.30) और आखिरी नंबर पर सांवेर (79.27) रहा है। इसी तरह 9वीं में भी देपालपुर (72.72) शीर्ष पर रहा है। 13 हजार 899 विद्यार्थी शामिल हुए थे नौवीं की परीक्षा में फर्स्ट डिवीजन पास होने वालों में भी लड़कों से आगे रहीं लड़कियां। 9वीं में 5 हजार 757 विद्यार्थी फर्स्ट डिवीजन पास हुए। इनमें 3 हजार 83 लड़कियां और एक हजार 920 लड़के हैं। 11वीं में भी 4 हजार 463 विद्यार्थी फर्स्ट डिवीजन पास हुए। इनमें 2 हजार 855 बालिकाएं और 1 हजार 609 लड़के शामिल हैं।

नया शिक्षा सत्र शुरू, तिलक लगाकर बच्चों का किया स्वागत, आरती उतारी

9वीं और 11वीं के रिजल्ट के साथ ही सोमवार से सरकारी स्कूलों में नया सत्र भी शुरू हो गया था। पहले दिन स्कूलों में विद्यार्थियों को तिलक लगाया गया और आरती उतारी गई। मिठाई खिलाने के अलावा कुछ स्कूलों में तो बच्चों को भोजन भी कराया गया। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते इस बार प्रवेशोत्सव में जनप्रतिनिधि शामिल नहीं हुआ, स्कूल के प्राचार्यों और शिक्षकों ने ही बच्चों का स्वागत किया।

लिव इन में रही महिला की जहर खाने से मौत

प्रेमी अस्पताल लेकर पहुंचा, पति से चल रहा तलाक का केस

इंदौर (नप्र)। इंदौर के आजाद नगर इलाके में लिव इन में रह रही महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। उसका प्रेमी महिला को लेकर सोमवार रात में एमवाय अस्पताल पहुंचा। इधर, महिला के माता-पिता के पक्ष के लोग भी सूचना के बाद एमवाय अस्पताल पहुंचे।आजाद नगर पुलिस के मुताबिक खुशबू बामनिया (27) निवासी बाबूलाल नगर को रात में उसका दोस्त मनोज सोलंकी एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचा। मनोज ने बताया कि खुशबू ने जहर खाया है। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इधर आजाद नगर पुलिस ने पूरे मामले को संदिग्ध मानते हुए मामला जांच में लिया है।

पति से चल रहा तलाक का केस

आजाद नगर पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी में पता चला है कि खुशबू की शादी ढाई साल पहले हुई थी। पति से वह अलग हो गई। उसका तलाक का केस चल रहा था। इसी बीच वह एक निजी अस्पताल में नौकरी करने लगी। यहां उसकी पहचान साथ में काम करने वाले मनोज से हुई। खुशबू ने अपना घर छोड़ दिया और मनोज के साथ पिछले कुछ माह से लिव इन में रहने लगी। दोनों एक ही अस्पताल में काम करते हैं। पुलिस के मुताबिक मनोज के बयान नहीं हुए हैं। मायके पक्ष के लोगों ने भी आरोप लगाए हैं। जिन्हें लेकर जांच की जा रही है।

परिवार से नहीं करने देता था बात

खुशबू के पिता मजदूरी करते हैं। परिवार ने जानकारी देते हुए बताया कि उसकी शादी पेडमी में हुई। पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ तो पति उसे इंदौर छोड़कर चला गया। इसके बाद वह वापस ससुराल नहीं गई। कुछ दिनों तक खुशबू घर में ही रही।इसके बाद एप्पल अस्पताल में नौकरी करने चली गई। यहीं उसकी मनोज से दोस्ती हुई। बाद में खुशबू उसके साथ रहने लगी। परिवार ने आरोप लगाया कि मनोज उसे अपने माता-पिता से भी बात नहीं करने देता था। परिवार का आरोप है कि मनोज ने अस्पताल में जहर खाने की बात की थी। लेकिन रात को घर जाते समय वह बेटी को अपने साथ नहीं ले गया और अस्पताल में ही छोड़कर चला गया। परिवार का आरोप है कि पुलिस को यह जांच करनी चाहिए कि बेटी ने जहर खाया है या उसे जबरदस्ती दिया गया है। आजाद नगर पुलिस के मुताबिक मनोज से पूछताछ की जाएगी। डॉक्टरों ने पोस्टमार्ट्म की प्रारंभिक जांच में जहर से मौत होने की पुष्टि की है।

इंदौर में जीजा-साले के बीच चले चाकू

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा इलाके में सोमवार रात जीजा-साले के बीच चाकूबाजी हो गई। इस घटना में दोनों घायल हैं। दोनों को रात में इलाज के लिए एमवाय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों पर कार्रवाई की है।बाणगंगा पुलिस के मुताबिक घटना शिवकंठ नगर की है। यहां जितेन्द्र पुत्र नानूराम चौहान निवासी राजेन्द्र नगर अपने ससुराल पहुंचा। पत्नी से बातचीत में उसका विवाद हुआ। साले लखन ने मारपीट शुरू कर दी।

संपादकीय

मंत्री पुत्र की दबंगई शर्मनाक

मप्र की राजधानी भोपाल में एक मंत्री पुत्र की सरेआम दबंगई और आम लोगों से मारपीट, मंत्री द्वारा अपने पुत्र का पक्ष लेना और मंत्री के दबाव में चार पुलिस कर्मियों को जल्दबाजी में स्पस्पेंड करना यही साबित करता है कि सत्ता के आगे न केवल समूचा तंत्र बेबस है बल्कि राजधानी में भी आम आदमी की इज्जत की कभी भी चौराहे पर लाई जा सकती है। सत्ता के दबाव में पुलिस मारपीट करने वाले मंत्री पुत्र की जगह पिटने वाले आम नागरिक के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर लेती है। साथ ही यह भी कि जरा सी सत्ता मिलने के बाद नेताओं से भी ज्यादा उनके बेटों के दिमाग आसमान पर पहुंच जाते हैं। हालांकि बाद में मामला मीडिया में उछलने और पार्टी नेतृत्व के दबाव के पुलिस ने मंत्री पुत्र के खिलाफ भी मामला जमानती धाराओं में कायम किया है। पूरा प्रकरण चार माह पहले स्वास्थ्य राज्य मंत्री बने नरेन्द्र शिवाजी पटेल के बिगड़ैल पुत्र अभिज्ञान पटेल का है। पुलिस के अनुसार, चार पहिया वाहन पर सवार अभिज्ञान का शनिवार रात करीब 8 बजे शहर के एक चौराहे पर दोपहिया वाहन पर सवार एक पत्रकार के साथ झगड़ा हो गया। मंत्री के बेटे ने पत्रकार के साथ मारपीट की, जिसके बाद पास के एक रेस्टोरेंट के मालिक और उनकी पत्नी को हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बाद अभिज्ञान ने उनकी भी बुरी तरह पिटाई की। इस घटना के बाद व्यवसायी दंपति घबराए हुए हैं। उधर रेस्तरां चलाने वाले व्यवसायी दंपति ने मंत्री पुत्र पर उनके साथ मारपीट का मुकदमा कायम कराया है। दूसरी तरफ मंत्री पुत्र ने अपनी शिकायत में उसके और उसके दोस्तों के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाया। इसके बाद चार पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया। रेस्टोरेंट मालिक अलीशा सक्सेना ने अपनी शिकायत में कहा है कि यह सब तब शुरू हुआ, जब एक कार ने पत्रकार विवेक सिंह की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जब सिंह ने कार चालक को आवाज देकर ठीक से गाड़ी चलाने को कहा, जल्द ही, अभिज्ञान और उसके दोस्त कार से बाहर निकले और कथित तौर पर पत्रकार की पिटाई की। मारपीट होती देख रेस्तरां मालिक सक्सेना ने हस्तक्षेप किया और अभिज्ञान ने रॉड से उनकी पिटाई कर दी। पीड़ित जब मामले की शिकायत करने शाहपुरा थाने पहुंचे तो मंत्री पुत्र के गुर्गों ने वहां हंगामा किया। मंत्री पुत्र के खिलाफ भी मामला तब दर्ज हुआ, जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पुलिस पर दबाव बनाया। मंत्री और उनके आदमियों की दबंगई के ये हाल हैं कि उन्होंने गुलमोहर कालोनी के जी 3 सेक्टर में बने पार्क पर भी अवैध कब्जा कर लिया है। इस बीच मप्र मानव अधिकार आयोग ने मंत्री शिवाजी पटेल से जुड़े दो मामलों में संज्ञान में लेते हुए भोपाल पुलिस कमिश्नर से 15 दिन में जवाब मांगा है। साथ ही आयोग ने शाहपुरा थाने के सीसीटीवी फुटेज और पीड़ितों की एमएलसी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करने के आदेश दिए है। इस बीच मामले की गंभीरता को समझते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने साफ कहा कि किसी को भी गुंडागर्दी करने का अधिकार नहीं है। जो दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। इस मामले में सबसे चिंताजनक बात यह है कि बेटे की गुंडागर्दी को उसके मंत्री पिता ने जायज ठहराने की कोशिश की और पुलिस पर नाजायज दबाव डाला। जबकि उन्हें स्वयं अपने बेटे को इस गलत काम के लिए डांटना चाहिए था। भाजपा आलाकमान ने भी इस मामले में गंभीरता से लिया है। जो कुछ हुआ है, वह एक मंत्री की निरंकुशता का परिचायक है। ऐसे लोगों को संवैधानिक पद पर नहीं रहना चाहिए।

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भाजपा में टिकट कटे क्यों और बचें क्यों?

कहा जा रहा है बीजेपी ने यह क़दम सत्ता विरोधी लहर से बचने के लिए उठाया है। जिन चर्चित परन्तु विवादित सांसदों को इसबार पार्टी ने प्रत्याशी नहीं बनाया है उनमें भोपाल की सांसद प्रज्ञा ठाकुर, उत्तरा कन्नड़ा के सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार हेगड़े, दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी तथा पश्चिमी दिल्ली के सांसद परवेश सिंह वर्मा जैसे नाम शामिल हैं। जबकि ग़ाज़ियाबाद से सांसद केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह, बाराबंकी के सांसद उपेन्द्र रावत, बदायूं से स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा मौर्य, कानपुर नगर सीट से सत्यदेव पचौरी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण,गुजरात के वडोदरा से बीजेपी सांसद रंजनबेन भट्ट,साबरकांठा से भीखाजी दुधाजी ठाकोर, हज़ारी बाग़ के सांसद जयंत सिन्हा जैसे और भी कई नेता हैं जो किसी न किसी कारणवश स्वयं चुनाव लड़ना ही नहीं चाहते।

आगामी लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने अपने कई पूर्व सांसदों को पुनः पार्टी प्रत्याशी नहीं बनाया। यदि आंकड़ों के हिसाब से देखा जाए तो बीजेपी ने अभी तक लगभग 34 प्रतिशत वर्तमान सांसदों के टिकट काटे हैं। कहा जा रहा है बीजेपी ने यह क़दम सत्ता विरोधी लहर से बचने के लिए उठाया है। जिन चर्चित परन्तु विवादित सांसदों को इस बार पार्टी ने प्रत्याशी नहीं बनाया है उनमें भोपाल की सांसद प्रज्ञा ठाकुर, उत्तरा कन्नड़ा के सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार हेगड़े, दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी तथा पश्चिमी दिल्ली के सांसद परवेश सिंह वर्मा जैसे नाम शामिल हैं। जबकि ग़ाज़ियाबाद से सांसद केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह, बाराबंकी के सांसद उपेन्द्र रावत, बदायूं से स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा मौर्य, कानपुर नगर सीट से सत्यदेव पचौरी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण,गुजरात के वडोदरा से बीजेपी सांसद रंजनबेन भट्ट,साबरकांठा से भीखाजी दुधाजी ठाकोर, हज़ारी बाग़ के सांसद जयंत सिन्हा जैसे और भी कई नेता हैं जो किसी न किसी कारणवश स्वयं चुनाव लड़ना ही नहीं चाहते। जिन सांसदों के टिकट काटे गए हैं उनमें कई विवादित चेहरों पर यह चर्चा छिड़ी है कि खांटी हिंदुत्ववाद की राजनीति पर विश्वास करने वाली तथा इसी एजेंडे पर चलते हुये सफलता की मंज़िलें तय करने वाली भाजपा ने आख़िर उन सांसदों का टिकट क्यों काट दिया जो पार्टी के ही एजेंडे को समय समय पर आगे बढ़ाते हुये मुखरित होकर अपनी बात कहते रहे हैं ?

उदाहरण के तौर पर प्रज्ञा ठाकुर को 2019 में जिस समय भाजपा ने मध्यप्रदेश के भोपाल की सीहोर लोकसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया था उससे पूर्व वे मालेगांव आतंकी घटनाओं के लिए जेल जा चुकी थीं तथा चुनाव के समय ज़मानत पर थीं। उनकी यही 'उपलब्धि' उनकी 'लोकप्रियता' का कारन बनी। चुनाव जीतने के बाद एक के बाद एक कर उन्होंने कई ऐसे बयान दिये जिससे पार्टी की किरकिरी होने लगी। कभी गांधी के विरुद्ध बोलना तो कभी गाँधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को देशभक्त बताना, कभी शहीद हेमंत करकरे को श्राप देने जैसी शर्मनाक बात कहना तो कभी हिन्दू समाज के लोगों को चाक़ू तेज़ करवाकर घरों में रखने की सलाह देना, ऐसी कई बातें थीं जो विवादित व आपत्तिजनक तो ज़रूर होती थीं परन्तु देश में बढ़ते वर्तमान साम्प्रदायिक वैमनस्यपूर्ण वातावरण में प्रज्ञा ठाकुर जैसे कट्टरवादी लोगों को 'लोकप्रियता' व प्रसिद्धि भी दिलाती थीं। ऐसा ही एक नाम अनंत कुमार हेगड़े का भी है। जन्म से ही यह संघ संस्कारी हैं लिहाज़ा यह माना जा सकता है कि इनके मुंह से निकले हर बोल संघ की विचारधारा का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। यह मनुस्मृति लागू करने की बात खुलकर करते रहे हैं। संविधान से धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाने के लिए 'संविधान में संशोधन' की बात करते हैं। हेगड़े ताज

महल को मूल रूप से एक शिव मंदिर और ताज महल को तेजो महालय बताते फिरते हैं। हेगड़े न केवल राहुल गांधी को कांग्रेस प्रयोगशाला में पाया जाने वाला 'हाइब्रिड उत्पाद बता चुके हैं बल्कि राहुल को यह भी कह चुके हैं कि राहुल गांधी 'मुस्लिम पिता और ईसाई मां से पैदा होने के बावजूद' ब्राह्मण होने का दावा करते हैं। सत्ता के अहंकार के नशे में चूर हेगड़े ने एक पूर्व आईएएस अधिकारी एस. शशिकांत सेंथिल को केवल गद्दार ही नहीं कहा था बल्कि उन्हें पाकिस्तान जाने की सलाह भी दे डाली थी। हेगड़े की बदज़ुबानी व उनके संघी संस्कार का अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वे महात्मा गांधी के नेतृत्व वाली आज़ादी की लड़ाई को महज़ एक 'नाटक' मानते हैं। वे गांधी को 'महात्मा' भी नहीं मानते साथ ही यह संगीन आरोप भी लगाते हैं कि 'भारत में स्वतंत्रता आंदोलन अंग्रेज़ों की सहमति और समर्थन से चलाया गया था। कुछ समय पूर्व ही हेगड़े भाजपा द्वारा 400 सीटें जितने के दावे की वजह संविधान संशोधन कर मनुस्मृति लागू करना बता चुके हैं।

इसी तरह दक्षिणी दिल्ली के जिस सांसद रमेश बिधूड़ी का टिकट कटा है ये वही हैं जिन्होंने लोकसभा में अमरोहा के संसद दानिश अली के विरुद्ध धर्म आधारित अपमानजनक टिप्पणी भी की थी और उन्हें धमकाया भी था। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में देश को बदनाम करने वाली इस घटना ने सुर्ख़ियां बटोरी थीं। जबकि पश्चिमी दिल्ली के सांसद परवेश सिंह वर्मा भी वह नेता हैं जिन्होंने शाहीन बाग़ आंदोलन के समय बेहद घटिया व अपमानजनक बातें की थीं। परन्तु मौजूदा बढ़ते साम्प्रदायिक राजनैतिक रुझान के अनुसार इन सभी नेताओं का क़द इनकी विवादित टिप्पणियों से ज़रूर 'ऊंचा' हुआ भले ही इनकी पार्टी को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिन्दिगी का सामना क्यों न करना पड़ा हो। उपरोक्त नेताओं के विवादित बोल और इसके चलते इन्हें मिलने वाली शोहरत के सन्दर्भ में अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 मई 2019 को दूसरी बार चुनकर आने के बाद अपने नवनिर्वाचित सांसदों को दिया गया 'सफलता का मोदी मंत्र' ज़रूर याद करिये जब उन्होंने कहा था कि 'यदि कुछ करना है तो छपास और दिखास से बचें। अखबार में छपने और टीवी पर दिखने से बचें। नेता कम, शिक्षक अधिक नजर आयें'। केवल सांसदों को ही नहीं बल्कि 2020 में सिविल सर्विसेज़ प्रोबेशनर्स को भी प्रधानमंत्री मोदी 'दिखास' और 'छपास' रोगों से दूर रहने की सलाह दे चुके हैं।

सवाल यह है कि क्या प्रज्ञा ठाकुर, अनंत कुमार हेगड़े,रमेश बिधूड़ी,व परवेश सिंह वर्मा जैसे लोगों का टिकट उनके अनर्गल बयानों की वजह से काटा गया? यदि इसे मापदंड माना जाये तो अनुराग ठाकुर का टिकट क्यों नहीं काटा गया जिसने 'गोली मारो सालो को' जैसा नारा दिया था? फिर बेंगलुरु दक्षिणी से तेजस्वी सूर्या का टिकट क्यों नहीं काटा गया जिनके विवादित बयानों से मध्य एशिया के कई अरब देश भारत को अपना विरोध दर्ज करा चुके हैं? दरअसल किसी को पार्टी प्रत्याशी बनाने या न बनाने का यह कोई निर्धारित फ़ार्मूला है ही नहीं। स्वयं नरेंद्र मोदी भी कई अवसरों पर अत्यंत अमर्यादित व स्तरहीन टिप्पणियां करते सुने जा चुके हैं। कभी मोदी '50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड' कहते सुने गये तो कभी 'कांग्रेस की विधवा' कभी 'शमशान क़ब्रिस्तान' तो कभी 'दीदी ओ दीदी' तो कभी 'इनकी पहचान कपड़ों से होती है', और न जाने क्या क्या। प्रधानमंत्री के स्तर की कोई भाषा नहीं है फिर भी उनके इन विवादित बयानों से उन्हें 'दिखास' और 'छपास' दोनों खूब मिली। तो क्या प्रधानमंत्री मोदी ने 'दिखास' और 'छपास' को केवल अपने लिये 'सर्वाधिकार सुरक्षित' कर लिया है या विवादित बयान देने वाले अपने कई नेताओं के टिकट काट कर शेष नेताओं को यह सन्देश देने की कोशिश है कि 'दिखास और छपास' की रेस में वे आगे न रहें और यह भी कि विवादित बयान देने वाले किस नेता को मुआफ़ करना है और किसे नहीं यह निर्धारित करना भी उन्हीं का काम है? इस तरह के मापदंड देखकर तो यही कहा जा सकता है।

राजनीति

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देश के लिए संकट बनते खर्चीले चुनाव

केंद्र सरकार में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि 'उनके पास चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं है।' साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 'मुझे इस बात को लेकर भी मलाल है कि चुनाव में समुदाय व धर्म जैसी चीजों को जीत तय करने का आधार बनाना पड़ता है। इसलिए मैंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है।' सीतारमण कई बार लोकसभा का चुनाव लड़ने के अनुभव से गुजर चुकी हैं। इसलिए वे जो कह रही हैं उसमें निश्चित सच्चाई है। हम देख भी रहे हैं कि अनैतिक रूप से कमाए गए धन और आवारा पूंजी ने चुनावी खर्च इतना बढ़ा दिया है कि आम आदमी तो छोड़िए मध्यमवर्गीय व्यक्ति का भी चुनाव लड़ना मुश्किल है। वैसे चुनाव आयोग ने लोकसभा उम्मीदवार को 95 लाख रुपए तक खर्च करने की छूट दी हुई है। लेकिन हम सब जानते हैं कि करीब आठ विधानसभाओं में लड़े जाने वाले इस चुनाव में यह राशि ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर है। वास्तविक खर्च इससे कई गुना अधिक होता है। प्रत्याशी और दल तो चुनाव में धन खर्च करते ही हैं, सरकार को भी चुनाव कराने में बड़ी धनराशि खर्च करनी पड़ती है। इसलिए खर्च के इस छुटकारे का उपाय एक साथ चुनाव बनाम संयुक्त चुनाव में देखे जा रहे हैं। संभव है 2029 का चुनाव इसी प्रणाली से हो ?

यदि लोकसभा, विधानसभा, नगरीय निकायों और पंचायतों के चुनाव एक साथ होते हैं तो लंबी चुनाव प्रक्रिया के चलते मतदाता में जो उदासीनता छा जाती है, वह दूर होगी। एक साथ चुनाव में वोट डालने के लिए मतदाता को एक ही बार घर से निकलकर मतदान केंद्र तक पहुंचना होगा, अतएव मतदान का प्रतिशत बढ़ जाएगा। यदि यह स्थिति बनती है तो चुनाव में होने वाले सरकारी धन का खर्च कम होगा। 2019 के आम चुनाव में करीब 60,000 करोड़ खर्च हुए थे, जबकि 2014 में इसके आधे 30 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए थे। 2024 के चुनाव में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने की उम्मीद है। गैर-लाभकारी संगठन सेंटर फॉर मीडिया स्टेडीज (सीएमएस) के अध्ययन के अनुसार 2019 का आम चुनाव दुनिया में सबसे महंगा चुनाव रहा है। इस चुनाव में औसतन प्रति लोकसभा क्षेत्र 100 करोड़ रुपए खर्च हुए। एक तरह से यह खर्च एक मत के लिए 700 रुपए बैठता है। यह खर्च केवल चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने के बाद का है। कई उम्मीदवार जिनका लड़ना तय होता है, वह साल-छह माह पहले से ही चुनाव की तैयारियों में लग जाते हैं। इस खर्च को अध्ययन में शामिल नहीं किया गया है। यदि लोकसभा क्षेत्र की बात करें तो 75 से 80 सीटें ऐसी थीं, जहां प्रत्याषी विशेष ने 40 करोड़ रुपए से भी अधिक खर्च किए। यह चुनाव आयोग द्वारा प्रत्याशी के लिए तय की गई खर्च की अधिकतम सीमा से 50 गुना से भी अधिक है। 2019 में खर्च की अधिकतम सीमा 70 लाख रुपए थी।

यदि एक साथ चुनाव होते हैं तो राजनीतिक दल और प्रत्याषी को भी कम धन खर्च करना होगा। दरअसल अलग-अलग चुनाव होने पर हारने वाले कई प्रत्याशी एक बार फिर किस्मत आजमाने के मूड में आ जाते हैं, वहीं विधायकों को भी लोकसभा चुनाव लड़ा दिया जाता है। ऐसी स्थिति में जो सीट खाली होती है, उसे फिर से छह माह के भीतर भरने की संवैधानिक बाध्यता के चलते चुनाव कराना पड़ता है। नतीजतन जनता के साथ-साथ प्रत्याशी को भी चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी उदासीनता झेलनी पड़ती है। इस कारण सरकारी मशीनरी की जहां कार्य संस्कृति प्रभावित होती है, वहीं मानव संसाधन का भी ह्रास होता है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। सात चरणों में करीब ढाई माह चुनाव प्रक्रिया चलेगी। भारत की भौगोलिक स्थिति के अनुरूप चुनाव को देखें तो उत्तर हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं से लेकर दक्षिण में हिंद महासागर तक और पश्चित में थार के रेगिस्तान से लेकर पूर्व में सुंदर वन के मैंग्रोव जंगल के इलाके भी चुनाव प्रक्रिया में शामिल रहते हैं। इनमें अनेक मतदान केंद्र ऐसे होते हैं, जहां मतदानकर्मियों को पालतू मवेशियों और नावों में चुनाव सामग्री लादकर ले जानी पड़ती है। ऐसे में प्रति मतदाता चुनाव का औसत खर्च 700 रुपए तक बैठता है। जबकि देश की साठ फीसदी आबादी बमुश्किल औसत 250 रुपए प्रतिदिन कमा पाती है। ऐसे में बार-बार चुनाव में खर्च निश्चित ही एक चिंता का विषय है। सरकारी खर्च के अलावा प्रत्याशियों को टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया और अखबारों में विज्ञापन पर बड़ा खर्च करना होता हैं। वाहन, भोजन, पोस्टर-बैनर और नेताओं के लिए जुलूस व आम सभाओं पर भी बड़ा खर्च होता है। यदि इन प्रत्यक्ष खर्चों के अलावा अप्रत्यक्ष खर्चों को देखें तो शराब, वोट के बदले नोट और उपहार के रूप में कोई वस्तु देने पर भी बड़ा खर्च प्रत्याशियों को उठाना पड़ता है। चुनाव में होने वाली खर्च की बड़ी राशि को सार्वजनिक नहीं किया जाता। क्योंकि ज्यादा खर्च दिखाना खर्च के लिए तय राशि का उल्लंघन माना जाएगा, जो आदर्श आचार-संहिता के साथ गैरकानूनी है। बावजूद हम देखते हैं कि उम्मीदवार और दल बेहिसाब धन खर्च करते हैं। निर्वाचन आयोग में पंजीबद्ध दलों के प्रत्याशी चुनावी सुविधाओं के लिए डमी उम्मीदवार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में खड़े करते हैं। इन पर भी बड़ी राशि खर्च होती है। प्रत्येक चुनाव में जातीय और धर्म आधारित समुदायों के ध्रुवीकरण पर भी बड़ी राशि खर्च होती है। अब धनी उम्मीदवार जातीवार सभाएं करके उनके भोजन-पानी का भी इंजमाम करते हैं। हालांकि राजनीतिक दल के लिए खर्च करने की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। जबकि 2024 में उम्मीदवार के लिए यह राशि 95 लाख रुपए के लिए कर दी गई है। इसी तरह विधानससभा चुनाव के लिए प्रत्याशी अधिकतम चालीस लाख रुपए खर्च कर सकता है। वहीं छोटे राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में लोकसभा उम्मीदवार के लिए खर्च की सीमा 75 लाख रुपए और विधानसभा उम्मीदवार के लिए 28 लाख रुपए है।

ऐसे में एक साथ सभी चुनावों को संयुक्त रूप में करा दिया जाए तो एक प्रत्याशी को कई सीटों से या बार-बार चुनाव लड़ने के विकल्प समाप्त हो जाएंगे और धन की बर्बादी नहीं होगी। चूंकि संविधान के मुताबिक केंद्र और राज्य सरकारें अलग-अलग इकाइयां हैं। इस परिप्रेक्ष्य में संविधान में समानांतर किंतु भिन्न-भिन्न अनुच्छेद हैं। इनमें स्पष्ट उल्लेख है कि इनके चुनाव प्रत्येक पांच वर्ष के भीतर होने चाहिए। लोकसभा या विधानसभा जिस दिन से गठित होती है, उसी दिन से पांच साल के कार्यकाल की गिनती शुरू हो जाती है। इस लिहाज से संविधान विशेषज्ञों का मानना है कि एक साथ चुनाव के लिए कम से कम 18 अनुच्छेदों में संशोधन किया जाना जरूरी होगा। विधि आयोग, निर्वाचन आयोग, नीति आयोग और संविधान समीक्षा आयोग तक इस मुद्दे के पक्ष में अपनी राय दे चुके हैं। ये सभी संवैधानिक संस्थाएं हैं। केंद्र सरकार ने इस दिशा में पहल करते हुए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी, जिसने अपनी रिपोर्ट दे दी है। यदि विपक्षी दल सहमत हो जाते हैं तो दो तिहाई बहुमत से होने वाले ये संशोधन कठिन कार्य नहीं हैं।

प्रचंड मूर्ख कौन

क्या जनता हर चुनाव में मूर्ख बनती है? फिर भी कुछ न कहती है। किसने मूर्ख बनना अपनी नियति मान बैठा है। चुनाव आया है। एक बार फिर सतरंगी ख्वाब दिखाया है। नेताओं की दरियादिली ने क्या खूब भरमाया है। अच्छे दिन का अरमान जगाया है। अच्छे दिन की तलाश में ताश की तरह बिखरा है। धर्म, जाति और अंधभक्ति में डूबा हुआ है। यही अमरकाल है। यही सत्ता की भौकाल है और रोजगार का अकाल है। जनता को और क्या चाहिए। सुनहरा भावी भविष्यत काल मिले। नेता अपनी

कटाक्ष

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

-अपनी चाल ढीलें। क्या नेताओं की अंतरात्मा होती है? यह जाँच यमराज कमेटी कर रही है। चित्रगुप्त को इस कमेटी का मुखिया बनाया है। यदि जाँच है तो आंच है। यमलोक से सूत्रों के हवाले खबर छन कर आयी है कि 'अंतरात्मा मरी हुई मिली है, जिसका बिसरा सुरक्षित रखा गया है।'

महंगाई चरम पर है। लेकिन सरकार धरम पर है। धरम भ्रष्ट न हो तो सब स्वस्थ है। जनहित के मुद्दे बस विपक्ष के गले मढ़ा गया है। सरकार तो कागज़ी विकास पर चढ़ा है। किसी भी प्रकार का दुःख कहाँ मीडिया में दिखता है। सुख की शोक विपक्ष को भारी पड़ा है। 'जनतंत्र का मंत्र जपे नर-नारी, मत पाकर सरकार भारी।' कोई भी सरकार मूर्ख नहीं होती, क्योंकि उनकी योजनाएँ सुर्ख होती हैं. जो बड़े-बड़े विज्ञापन के रूप में अखबार में सुर्खियां बटोरती हैं। अखबार मालिक मोटी कमाई करता है। सरकारी विज्ञापन पर जनता का पैसा पानी की तरह बहाया जाता है। उतने में तो जन के द्वार जाकर लाभार्थी का चेक पकड़ाया जा सकता है। पर सरकार को लाभार्थी से नहीं बल्कि प्रचार का अचार का स्वाद लेना है। यहाँ भी प्रचंड मूर्ख बनाने के लिए लपेटा जाता है।

लोकतंत्र में वादों का पिटारा चुनाव में खुलता है। दिल्ली से दौलताबाद का हसीन ख्वाब दिखाया जाता है। जनता भोली -भाली है। नेताओं के दांवपेंच नहीं समझती है। सत्ता पाने की हद से नीचे गिरना उनको स्वाभिमान लगता है। भ्रष्टाचार विपक्ष का दिखता है। अपने में तो निर्मलता नज़र आती है। विपक्ष का दुराचारी अगर उनके पाला में आ जाए तो वह भ्रष्टाचारी नहीं बल्कि सदाचारी कहलाता है। सत्ता के पास जादुई वाशिंग मशीन है। जो भ्रष्टाचारी व दुराचारी को धुलकर हृदय परिवर्तन कर देता है। टिकट न मिलने पर ब्रेनवाश और दल -बदल से माऊथवाश होता है। जिससे गाली भी साली की मनुहार नोकझोंक लगती है। जिस भी नेता को दलबदल के बाद भी टिकट हथिया नहीं पाता वह सनबाथ लेता है, क्योंकि अब उसके हाथ कुछ नहीं होता है।

अब लोकतंत्र में प्रचंड मूर्ख कौन? इस सवाल के जवाब में चौथा खंभा मौन। लगता है चौथे खंभे में लोचा है। इस बात को किसने सोचा है। मत पहले रैली प्रयोगशाला में सिद्ध किए जाते हैं। उल-जलूल बाएं-दाएं देखकर फेंक दिया जाता है। यही मीडिया में सुर्खियां बन जाता है। जनता की आँखों पर महंगाई का गर्दा पड़ जाता है। उसको गड़ता रहता है लेकिन मलता रहता है। जबतक लाइलाज न हो जाए। वह चुप है। अब आपको बताना हैं कि लोकतंत्र में प्रचंड मूर्ख कौन? आंसर - ऑप्शन ए सत्ता, ऑप्शन बी विपक्ष, ऑप्शन सी मीडिया या ऑप्शन डी जनता।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुरेश रायकवार

टी वी पर बहस याने तू-तू, मैं-मैं

राम रामदयारामजी ! कल शाम को फलां चैनल पर बहस सुनी कि नहीं?- दयाराम जी के पड़ोसी ने उनके हाथ से सुबह का अखबार झपटते हुए पूछा।

कौनसी बहस ! दयारामजी ने प्रतिप्रश्न किया।

कल तो मजा ही आ गया बहस में ! क्या गज़ब की एंकर है वो जिरह कुमारी खोजी, ऐसा विषय रखा कि दो पार्टियों के बकवासी बकता स्टूडियों में ही जूतमफाक करने लगे, कसम से देखने लायक सीन था - पड़ोसी बड़े जोश में बता रहे थे।

आपको भी क्या बेकार का शौक लगा है ये तू तू मैं मैं सुनने का - दयारामजी ने पड़ोसी को समझाया।

अब क्या करें दयारामजी टीवी पर एकता कपूर और क्राइम पेट्रोल के सीरियल देखने से तो रहे ! फिर टाइम पास करने के लिए समाचार ही सहारा रहते है। वहाँ भी दिनभर एक ही एक समाचार को बार-बार देख-देखकर जब बोरियत हो जाती है तब बहस देखकर ही थोड़ा मनोरंजन कर लेते हैं- पड़ोसी ने सच्चाई बताते हुए कहा।

दयारामजी बोले- एक तो आजकल न्यूज के सेकड़ों चेनल हो गए है और हर चेनल पर अपनी-अपनी बहस अपने-अपने समाचार। ऐसा लगता है जैसे समाचार देख-देखकर ही देश की सारी समस्याएँ हल हो जाने वाली हैं।

पड़ोसी ने फिर आग्रह करते हुए कहा - दयाराम जी आप एक बार उस प्रसिद्ध टीवी चैनल के 'जूझते हैं गाँव' कार्यक्रम में बहस का दंगल जरूर देखें।

दयाराम जी बोले - न्यायालयों में होने वाली बहस पर्याप्त नहीं है क्या ! जब टीवी की बहस से ही सब कुछ हो जाएगा तब ये कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तथा विधान सभा और संसद में बहस की क्या आवश्यकता है?अरे भैया देश में जब टीवी नहीं था तब अखबार पढ़कर और रेडियो पर दो समय के समाचार सुनकर भी देश चल रहा था। फिर इन फालतू की बहस से क्या फायदा?

दयाराम जी बिना रुके बोले जा रहे थे - कई बार देखा है मैंने आपका वह प्रिय कार्यक्रम ! क्या खास है भला उसमे - रोजाना वही स्टेज पर एक तरफ तीन दलों के तथा दूसरी ओर दो दलों के बहसखोर बैठ जाते हैं और बीच में वह एंकर जिरह कुमारी ! सत्तावाले पक्ष के बहसी जो चश्मा लगाकर आते है,उन्हे देश में केवल विकास ही विकास नजर आता है। और विपक्षि के बकवासियों के चश्मे से देश सिर्फ गर्त में जाता हुआ। बहस ऐसी होती है कि दोनों ही पक्ष अपने-अपने दल के एजेंडे के अनुसार तर्क-कुतर्क करते रहते हैं। बात-बात में दो लोगों की कांव-कांव जैसी तीखी बहस पर एंकर अक्सर दोनों को चुप कराते हुए या बीच बचाव करते हुए दिखाई देती है, लेकिन दोनों में से कोई चुप नहीं होता है और इधर बेचारे दर्शक को कुछ समझ नहीं आता कि कौन क्या बोल रहा है।

बहस के बीच मे कभी-कभी कुछ तथाकथित बड़े नेता ऑनलाइन भी जुड़ जाते है और बीच-बीच में बेमतलब के भददे विज्ञापन के साथ ही ब्रेकिंग न्यूज़ भी चलती रहती है। अंत में बहस फिक्सिंग वाले मैच की तरह बेनतीजा समाप्त हो जाती है। बहस करने वाले अपना-अपना मानदेय लेकर अपने-अपने घर चले जाते है और आप जैसे लोग बहस को आगे बढ़ाने के लिए पड़ोसी के यहाँ पहुँच जाते है।

देश की मुख्य वास्तविक समस्याओं को छोडकर जितने भी अनावश्यक विषय होते है वे ही बहस के मुद्दे होते हैं और उन्ही पर बहस कारवाई जाती है। बहस के प्रचलित विषय होते है - मंदिर मस्जिद के सांप्रदायिक विषय,चुनाव में फलां नेता का टिकिट क्यों कटा,मंत्रिमंडल में कौन-कौन से नेता को लिया जा सकता है, किस राज्य में कौनसा नेता मुख्यमंत्री की दौड़ में है, भ्रष्टाचार की दौड़ में कौनसा नेता या पार्टी आगे है, कौनसे विकास कार्य में कितना घपला हो रहा है या किसने महिला का अपमान किया किसने किसको गाली दी अथवा पुलिस कस्टडी में बाहुबली की मौत का प्रश्न। और एक खास बात अपने देश के मुद्दे तो सुलझते नहीं और विदेशों के आंतरिक मुद्दों पर बहस होती है। देश जिस समस्या से जूझ रहा है वह कभी भी बहस का मुद्दा नहीं होता।

ओफ्फो दयारामजी ! आप तो बेकार ही नाराज हो गए । पड़ोसी ने आग्रह किया।

दयाराम जी फिर बोलने लगे- अब टीवी की अन्य चेनलों पर तो मनोरंजन के अनेक शील और अश्लील कार्यक्रम होते हैं जिन्हे चाहे-अनचाहे दर्शक देखते रहते हैं,किन्तु चौबीस घंटे इन नीरस समाचार को भलाकौन देखेगा, इसीलिए समाचारों में बहस का तड़का लगाकर समाचार चेनल वालों ने समाचारों को भी मनोरंजक बनाने की कोशिश की है ताकि इनकी टीआरपी नहीं गिरे।

ये निरर्थक बहस के कार्यक्रमों से केवल और केवल टीवी चेनल वालों को फायदा होता है जबकि देश को नकारात्मकता के माहौल के अतिरिक्त कुछ भी नहीं, हाँ बहस के प्रखर बकवासी बकता को प्रायः राज्यसभा सदस्य अवश्य मनोनीतकरवा दिया जाता है जैसे रणजी ट्रॉफी में अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी का राष्ट्रीय टीम में चयन हो जाता है वैसे ही। दयारामजी का पड़ोसी इतनी बाते सुनकर बिना अखबार पढे ही चुपचाप अपने घर लौट गया।

पहल

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लेखक पत्रकार हैं।

नक्सलवाद पर मोहन सरकार का ठोस प्रहार

ताजा घटनाक्रम 29 लाख की इनामी महिला नक्सली डीवीसीएम सजन्ति उर्फ क्रांति जोकि डिस्ट्रिक्ट कमांडेट थी का मारा जाना है, इसके साथ ही एक 14 लाख का इनामी नक्सली रघु उर्फ शेरसिंह भी मारा गया है। । रघु पर तीन राज्यों की पुलिस ने इनाम घोषित कर रखा था। इससे पहले मध्य प्रदेश पुलिस की हॉकफोर्स को एक और बड़ी सफलता मिली थी। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बालाघाट जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत चकरवाहा जंगल क्षेत्र में सर्चिंग कर रही कोबरा 207 और हॉकफोर्स की संयुक्त टीम की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई थी, जिसमें कोबरा 207 और हॉकफोर्स द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई से नक्सली घने जंगल में भाग गए थे । इस मुठभेड़ में कुछ नक्सली बुरी तरह से घायल हुए थे। जो सामान कोबरा 207 और हॉकफोर्स की संयुक्त टीम के हाथ लगा, सूचनाओं के नजरिए से फोर्स के लिए वह बहुत काम का साबित हुआ है।

देश में लोकसभा चुनाव होने जा रहे हैं । ऐसे में मध्यप्रदेश की मोहन सरकार शांति से मतदान सम्पन्न हों, इसके लिए अपने अथक प्रयास करती हुए नजर आ रही है। जिसमें कि छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र राज्यों से लगे सीमावर्ती जिलों में नक्सली गतिविधि पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए कठोर कार्रवाईयां शुरू हैं। इसी का यह परिणाम है कि मध्यप्रदेश में या तो नक्सली मारे जा रहे हैं या फिर उन्हें राज्य छोड़कर भागना पड़ रहा है।

ताजा घटनाक्रम 29 लाख की इनामी महिला नक्सली डीवीसीएम सजन्ति उर्फ क्रांति जोकि डिस्ट्रिक्ट कमांडेट थी का मारा जाना है, इसके साथ ही एक 14 लाख का इनामी नक्सली रघु उर्फ शेरसिंह भी मारा गया है। । रघु पर तीन राज्यों की पुलिस ने इनाम घोषित कर रखा था। इससे पहले मध्य प्रदेश पुलिस की हॉकफोर्स को एक और बड़ी सफलता मिली थी । नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बालाघाट जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत चकरवाहा जंगल क्षेत्र में सर्चिंग कर रही कोबरा 207 और हॉकफोर्स की संयुक्त टीम की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई थी, जिसमें कोबरा 207 और हॉकफोर्स द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई से नक्सली घने जंगल में भाग गए थे । इस मुठभेड़ में कुछ नक्सली बुरी तरह से घायल हुए थे। जो सामान कोबरा 207 और हॉकफोर्स की संयुक्त टीम के हाथ लगा, सूचनाओं के नजरिए से फोर्स के लिए वह बहुत काम का साबित हुआ है।

इसी प्रकार से डॉ. मोहन यादव की भाजपा सरकार के गठन के वक्त भी एक बड़ी कार्रवाई नक्सलियों पर की गई थी। इस कार्रवाई के दौरान भी नक्सलियों को भारी नुकसान पहुंचाने में फोर्स को सफलता मिली थी। मध्यप्रदेश पुलिस की हॉकफोर्स ने नक्सल विरोधी अभियान के दौरान 14 लाख रुपये के इनामी नक्सली मड़काम हिड्मा उर्फ चैतु (32) को मार गिराया था। हिड़मा, एमएमसी (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) जोन की जीआरबी (गोंदिया, राजनांदगांव, बालाघाट) डिविजन के एसजेडसीएम (स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर) राजेश उर्फ दामा का विश्वस्त सहयोगी था।

हिड़मा पूर्व में माओवादियों की भैरमगढ़ एरिया कमेटी की चेतना नाट्य मंच तथा प्लाटून का सदस्य रहा है। वह पुलिस बल पर हमले की विभिन्न घटनाओं में शामिल रहा है। नक्सली हिड़मा का भाई सीतु मड़काम उर्फ सीतु मुचाकी माओवादियों की भैरमगढ़ एरिया कमेटी के अंतर्गत सक्रिय प्लाटून नंबर 13 का डिप्टी कमांडर है।माओवाद के विस्तार के लिए इसे दो वर्ष पूर्व एमएमसी जोन में भेजे जाने की सूचनाएं आत्मसमर्पित नक्सलियों से पूछताछ के परिणाम स्वरूप सामने आई थीं।

आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं कि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश के नक्सल प्रभावित जिलों में नक्सल उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियानों की स्थानीय आम नागरिकों के सहयोग से बड़ी सफलता मिल रही है। इसी का परिणाम रहा जो पिछले

वर्ष 2023 में तीन बड़ी कार्रवाइयां पूरी तरह से सफल रहीं। इन कार्रवाइयों में हॉकफोर्स ने दो महिला नक्सलियों सहित चार हार्डकोर नक्सलियों को धराशायी किया जा सका था। इन सभी नक्सलियों पर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 14-14 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

इससे पहले अप्रैल में हुई कदला मुठभेड़ में महिला नक्सली सरिता तथा सुनीता, कुंदुल-कोद्दापार जंगल क्षेत्र में सितंबर में हुई नक्सली कमलू को भी धराशायी किया जा चुका है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश पुलिस ने जबलपुर शहर से नाथ बस्तर तथा आरकेबी डिविजन की मास संगठन का प्रभारी एसजेडसीएम अशोक रेड्डी उर्फ बलदेव को उसकी पत्नी एसीएम रेमती के साथ गिरफ्तार करने में भी सफलता हासिल की है।

मध्यप्रदेश में पछले कुछ सालों के दौरान मुठभेड़ के दौरान 17 हार्डकोर नक्सली मारे गए हैं । इनमें नौ महिला नक्सली भी शामिल हैं। मारे गए नक्सलियों पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र सरकार द्वारा संयुक्त रूप से कई करोड़ रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। राज्य पुलिस ने नक्सलियों के विरुद्ध जो आक्रामक रणनीति अपनाई गई तथा सूचना आधारित अभियानों द्वारा टांडा दलम तथा दर्रेकसा दलम के नक्सलियों को धराशायी करना जारी रखा है, उससे इस वक्त नक्सलवाद की कमर टूटना जारी है।

कहना होगा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के सख्त निर्देश अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति एवं पुलिस के नक्सल समापन के अभियान का ही यह असर है कि राज्य में नक्सली पुलिस मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं या फिर भाग रहे हैं । जिन्हें लग रहा है कि वे बचेंगे नहीं, ऐसे कई नक्सली आगे से आकर पुलिस के समक्ष इन दिनों आत्मसमर्पण कर रहे हैं। ट्राइ जंक्शन क्षेत्र में नक्सलियों की कमर तोड़ दी गई है । मध्यप्रदेश पुलिस के लगातार प्रयासों और अभियानों से नक्सली बैकफुट पर हैं।

इसके लिए निश्चित ही प्रदेश की भाजपा सरकार को श्रेय दिया जाना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी अपने संकल्प पत्र पर पूरी तरह अमल करती हुई दिखाई दे रही है। नक्सलवाद का खात्मा करना उसके संकल्प पत्र का ही एक प्रमुख कार्य है । वहीं, मध्यप्रदेश में बनी नई मोहन सरकार भी यह संदेश पहले दिन से ही देने में सफल हुई है कि अपराधियों के लिए उसके पास कोई जगह नहीं, जो गलत है उसे दण्ड मिलेगा।

जन्मदिन

ध्रुव शुक्ल

यादों के घर में: कथाकार निर्मल वर्मा

शाम की रौशनी में दिल उदास हो ऐसे बिना दामन कोई दामन को संभाले जैसे

कथाकार निर्मल वर्मा की याद ऐसे आ रही है जैसे यादों में बसा हुआ कोई घर हो। पैंतालीस साल पहले 1980 के आसपास उनका उपन्यास... 'एक चिथड़ा सुख'... पढ़ा था। इस उपन्यास को पढ़ते हुए लगा कि वे इसके पात्रों के दुख का मन परख रहे हैं और यह प्रश्न उठा रहे हैं कि मरे हुए आदमी का दुख कहां चला जाता है?

मेरी स्मृति के घर में निर्मल वर्मा के प्रश्न जुगनुओं की तरह दिपदिपाते रहते हैं... क्या दूसरों से नज़रें बचाकर चलना अपने दुख को छिपाना है? क्या कोई दुख पीछे छूट जाता है और दूसरा साथ चलने लगता है? क्या कोई बीती हुई पीड़ा सिर उठाकर फिर दुख बनकर आ जाती है? क्या हम गहन अंधेरे में अपने दुख को देख सकते हैं या दुख को देख पाने के लिए कोई रौशनी चाहिए? अंधेरा हो या उजाला, कहीं हमारा सोच ही तो हमारी आंखें नहीं बन जाता? क्या सदियों की पीड़ाएं आपस में एक-दूसरे को माफ़ नहीं कर पातीं? दुख को अपने हाथ-पाँव फैलाने का सिरहाना कहां है?

निर्मल वर्मा पूछ रहे हैं .. क्या जीवन सुई की नोंक पर बिंधे हुए कीड़े जैसा है, जिसकी तिलमिलाहट को तो हम देखते रह जाते हैं पर उसे सुई की नोंक से छुड़ा नहीं पाते? क्या जीवन इतिहास के पन्नों के बीच चिपकी रह गयी तितली जैसा है जिसका दुख कोई नहीं जान पाता? क्या हम सचमुच किसी को मरता हुआ देख पाते हैं? क्या हम किसी को मारकर भी मरता हुआ देख पाते हैं? क्या एक हद के बाद हमारे दुख शर्मनाक बन जाते हैं? एक चिथड़े जैसे सुख को पाने के लिए इतने सारे दुखों का भार क्यों उठाना पड़ता है?

निर्मल वर्मा ने इस उपन्यास में दुख की अकथ कथा तो कही ही है, उनकी डायरी भी अकेलेपन के सौंदर्य और जीवन-मृत्यु के प्रश्नों से संवेदित है.. उन्हें महात्मा गांधी निष्कम्प लौ की तरह प्रतीत होते हैं। यह लौ मन में बसी हारने की अनंत संभावनाओं के बीच जीवन के ही चित्र रचती है। इस लौ की मद्धिम रोशनी में वे शब्द

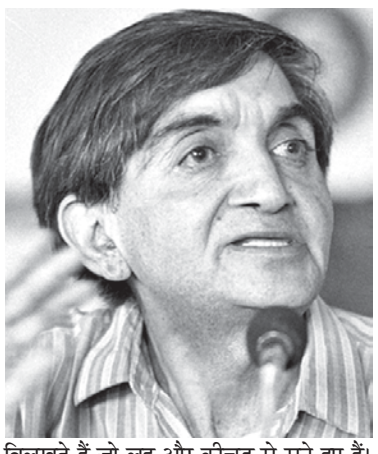

बिलखते हैं जो लहू और कीचड़ से सने हुए हैं। हमारे मन में ऊंची उठती दीपशिखा पाप और ईविल जैसे मुक्ति के प्रलोभनों के बीच अपने से बाहर यातना से मुक्ति पाने के लालच की व्यर्थता का बोध कराती है।

निर्मल वर्मा अपनी डायरी में इस गहरे अहसास से भर उठते हैं कि जीवन में अकेलेपन की पीड़ा भोगने से क्या लाभ, यदि हम अकेले मरने का अधिकार अर्जित न कर सकें। महात्मा गांधी ने यह अधिकार जीते-जी अर्जित कर लिया था। कथाकार और चिन्तक निर्मल वर्मा को पढ़ते हुए इस अनुभूति में अक्सर डूब जाता हूं कि एक निष्कम्प लौ जल रही है जिसे आसन्न मृत्यु की अनिवार्यता पर कोई शंका नहीं। जीवन एक जलती हुई अकेली मोमबत्ती जैसा लगता है। जहां अपनी ही लौ के ताप से मोम आंसुओं की तरह बहती रहती है जैसे दुखों की आहटें सुनकर प्रकाश रो रहा हो।

कथाकार निर्मल वर्मा का उपन्यास 'अंतिम अरण्य' पढ़ते हुए लगता है कि समय से बड़ा कोई व्यास नहीं है। समय ही सत्य का संपादन करता है। समय ही लेखक है। यह एक ऐसी कथा-कृति है जिसमें अब तक उनके द्वारा रची गयी कथाओं में अर्जित जीवन सत्य की और अधिक गहराई से पुनर्प्रतिष्ठा हुई है।

निर्मल वर्मा की रची हुई कथाओं में पात्र अपने स्वभाव से ही बरतते हैं, किसी विचारधारा से नहीं। उन्हें कृतिकार नहीं चलाता, वे कृति के आंगन में खुद ही चलते हैं। कृतिकार वहां समय की तरह है जिसमें बीतकर वे पाठक की स्मृति में ठहर जाते हैं।

'अंतिम अरण्य' उपन्यास पढ़ते हुए कभी यह भी प्रतीत होता है कि जैसे कुछ बीत नहीं रहा, बस आलोकित हो रहा है। निरंतर एक दिन जो कभी डूबता ही नहीं। जैसे कोई गोधूलि की उजास हो, जहां प्रकाश और अंधेरा आमने-सामने ठिठक जाते हैं और देखना संभव होता है।

वाणी के प्रकाश और लिपि के अंधेरे के बीच फैले मर्म के उजाले की निस्तब्ध आभा में ज़िन्दगी के खुलते हुए रहस्यों के बीच कृति जन्म लेती है और शब्द वाणी की परछाईयों से लगते हैं। निर्मल वर्मा रचित यह अरण्योपनिषद् राख की ढेरी से जाती हुई आंच को थाम लेने का अप्रतिम कथा पुरुषार्थ है।

नवाचार

गिरीश पंकज

लेखक स्तंभकार हैं।

गांवों के बच्चों का 'अभ्युदय' हो, यह भी जरूरी

शहर में तो शैक्षणिक-दृष्टि से देखे तो हम बड़े-बड़े स्कूल हैं तरह-तरह की सुविधाएं हैं।लेकिन ग्रामीण बच्चों के लिए आज भी ढंग के विद्यालय नहीं हैं। उनको पढ़ने वाले अनेक शिक्षकों की हालात भी ज्ञान की दृष्टि से भी काफी दयनीय है। यही कारण है कि गांव में रहकर पढ़ने वाले बच्चे शहरी बच्चों के मुकाबले काफी पीछे रह जाते हैं। लेकिन अगर गाँव में भी शहरों की तरह शैक्षणिक व्यवस्था बनाई जा सके, तो नि:संदेह वहां के बच्चों का भी वैचारिक स्तर काफी ऊँचा हो सकता है । गांधी जी गाँव के उन्नयन की निरंतर चिंता किया करते थे। वह चाहते थे कि गाँवों में अच्छे स्कूल हों, उनके भवन हों, प्रेक्षागृह और पुस्तकालय हों। गाँव अपनी जरूरत की हर चीज वहां पैदा कर सके। गांधी के इस सपने को अभ्युदय संस्थान जैसी संस्था अब पूरा करने की दिशा में सक्रिय है। इसका प्रत्यक्ष अनुभव मुझे पिछले दिनों हुआ, जब मैं रायपुर से लगभग तीस किलोमीटर दूर अछोटी नामक गाँव में एक अभिनव विद्यालय के वार्षिकोत्सव में शामिल हुआ। नाम है अभिभावक विद्यालय। इसे अभ्युदय संस्थान संचालित करता है। अभ्युदय संस्थान की परिकल्पना विचारक चिंतक डॉ. ए नागराज ने की थी। उन्होंने अपने विचार को 'जीवन विद्या मिशन' नाम दिया था। उन्होंने अपना एक दर्शन विकसित किया, जिसे नाम दिया 'मध्यस्थ दर्शन', जिसमें लोग आपस में सह-अस्तित्व की भावना के साथ मिलजुल कर एक जगह रहें। नागराज जी आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन मिशन बहुत सुंदर ढंग से काम कर रहा है। सबसे पहले इसकी शुरुआत अमरकंटक से हुई। फिर ग्राम अछोटी एक बड़ा केंद्र बना।

वर्षों पहले विदेश से पढ़ कर आए कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर संकेत ठाकुर ने अपने कुछ मित्रों जैसे स्व. अंजनी गाड़ोदिया, स्व. धीरेंद्र शाह, स्व. मोहनलाल अग्रवाल आदि के साथ मिलकर अछोटी ग्राम में सन 1999 में संस्थान की शुरुआत की थी। डॉ संकेत ठाकुर के आग्रह पर अभिभावक विद्यालय के वार्षिकोत्सव को देखने पत्रकार मित्र समीर दीवान के साथ मैं भी पहुंचा। मैं अभिभूत था यह देख कर कि एक गांव में इतना सुंदर विद्यालय चल रहा है । विद्यालय के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति और व्यावहारिक जीवन का कुशल प्रशिक्षण देख कर खुशी हुई। गांधी जी ऐसा ही गांव चाहते थे, जहां बच्चों के लिए शैक्षणिक व्यवस्था हो और गाँव अपनी ज़रूरत की चीज़ें खुद पैदा करें। उन्हें शहर का मुँह न देखना पड़े। सबसे बड़ी बात यह है कि इस मिशन के तहत शिक्षा का मानवीकरण किया गया है। यहाँ अध्ययन करने वाले बच्चों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। वे ज़रूरत की कुछ उपयोगी चीजों का खुद निर्माण भी कर रहे हैं।

जैविक कृषि कार्य कर रहे हैं, सब्जी उगा रहे हैं। गोपालन का कार्य भी हो रहा है, तो अध्ययन भी। यह भी प्रेरणा की बात है कि अभ्युदय संस्थान के आवासीय परिसर में कुछ परिवार शहरी जीवन का मोह त्याग कर मिलजुल बड़े प्रेमभाव से रहते हैं । सामूहिक रूप से खेती-बाड़ी और अन्य कार्य करते हैं। इसी परिवार की कुछ बहनें और भाई पहले से लेकर दसवीं तक के बच्चों को पढ़ाते भी हैं। विद्यालय में सुचित्रा श्रीवास्तव, मीनाक्षी राठौड़, सोनालिका अग्रवाल, लोकेश्वरी साहू, मंजू साहू, शुभ्रा ठाकुर, भारती साहू, महावीर अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, रानी जैन आदि अपनी सेवाएं दे रही हैं। पिछले पच्चीस वर्षों से सोम त्यागी, बीआर अग्रवाल, अनिता शाह, मीना गाड़ोदिया, मंजीत सिंह, चंद्रशेखर राठौड़, आदि भी समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं।

जीवन विद्या मिशन का लक्ष्य विशाल है। यही कि मानव जाति एक रहे। ईश्वर एक है। धरती एक है । और मानव धर्म भी एक है। कहीं कोई भेद नहीं होना चाहिए। विद्यालय के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हुए स्वरोजगार की ओर भी उन्मुख हो रहे हैं,ताकि उन्हें रोजगार के लिए भटकना न पड़े।

विद्यालय इस बात का ध्यान रख रहा है कि बच्चों में एक वैश्विक दृष्टि विकसित हो। जाति-धर्म से ऊपर उठकर प्राकृतिक वातावरण में वे पलें बढ़ें। आज संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, तनाव बढ़ रहा है। अकेलापन एक अभिशाप की तरह दिखाई दे रहा है। इन सभी विसंगतियों को तोड़ने के लिए अभ्युदय संस्थान बेहतर काम कर रहा है। वहां छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ के बाहर के कुछ परिवार आकर सह-अस्तित्व की भावना के साथ बड़े मजे से रह रहे हैं। ये सब भाग्यशाली हैं कि प्राकृतिक जीवन जी रहे हैं। संस्थान में समय-समय पर शिविर भी लगाए जाते हैं, जहां भाग लेने वाले को यही शिक्षा दी जाती है कि बहुत अधिक धन का मोह नहीं करना चाहिए । विलासपूर्ण जीवन जीने से बेहतर यह है कि हम कम-से-कम खर्च में जीने की कोशिश करें। प्राकृतिक जीवन से जुड़ कर ही हम स्वस्थ रह सकते हैं। यहाँ लोग शहरों के प्रदूषण से दूर सुंदर-सुखद जीवन-यापन कर रहे हैं। अभ्युदय संस्थान की शुरुआत बहुत छोटे रूप में से शुरू हुई थी लेकिन आज अभ्युदय संस्थान के अभिभावक विद्यालय में दसवीं तक की पढ़ाई होने लगी है। वार्षिकोत्सव में जो सांस्कृतिक कार्यक्रम मैंने देखा, उसे देखकर दंग था। कार्यक्रम में प्रस्तुत सारे गीत-संगीत शिक्षिकाओं ने तैयार किए थे। अधिकांश शहरी स्कूलों में तो मशहूर गानों के रिकॉर्ड पर नृत्य होते हैं। गाँव के नन्हें-नन्हें बच्चों ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ सुंदर-आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में आसपास के गांव के सैकड़ों अभिभावक उपस्थित हुए। यह विद्यालय पूरी तरह से गैर-सरकारी है। इस विद्यालय का अनुसरण करके सरकार को भी इसी तरह के विद्यालय संचालित करने चाहिए। यह विद्यालय बहुत हद तक प्राचीन गुरुकुल परंपरा का स्मरण कराता है। ऐसे विद्यालय अब दुर्लभ होते जा रहे हैं। इन्हें सराहने की ज़रूरत है।

दृष्टिकोण

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्तंभकार हैं।

आम चुनाव: 'पर्यावरण' का मुद्दा कोई 'वोट बैंक' नहीं

साल 2024 में 'मतदाता' फिर केंद्र में आ गया है। देश में लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राजनीतिक दल अपने वादे, दावे और नये संकल्पों को बुनने में लगे है। राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र भी सामने आने लगे है। लेकिन आजादी के 76 साल बीत जाने के बाद भी चुनावी समर में कोई नयापन दिखाई नहीं दे रहा है। भारतीय सामाजिक व राजनीतिक परिदृश्य में 'पर्यावरण' मुद्दा नहीं होता है, क्योंकि राजनीतिक तंत्र को इसमें 'वोट बैंक' नजर नहीं आता है।

इस चुनाव में राजनीतिक दलों के तो वहीं मुद्दे होंगे, जिनसे उन्हें 'वोट' मिल सकें। जल, जंगल, जमीन, प्रदूषण जैसी समस्याओं से कोई सरोकार ही नहीं दिखता है। चुनावी वर्ष में यह सवाल फिर उभरने लगा है कि क्या चुनावी विमर्श और बहस में प्रकृति और पर्यावरण के मुद्दों को कोई स्थान मिल पाएगा? क्या पर्यावरण के मुद्दे 2024 के चुनाव अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे? क्या पार्टियां जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नई नीतियों को पेश करेंगी? अब तक के अनुभव बताते है कि वर्तमान परिस्थिति में बाजारवाद इतना हावी हो गया है कि पर्यावरण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे 'गौण' से हो गए हैं।

कई बड़े - छोटे राजनीतिक दलों ने पिछले चुनावों में अपने घोषणापत्रों में 'जलवायु परिवर्तन' को मुद्दा बनाया थी, इसमें टिकाऊ कृषि, पर्यावरण-पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया था ।

हम सब की चिंताओं में है कि दुनिया में जलवायु परिवर्तन का संकट लगातार गहराता जा रहा है और लोगों के जन-जीवन एवं आजीविका पर इसका बहुत ही मारक प्रभाव पड़ रहा है। आंकड़े देखें तो पता चलता हैं कि देश के 9 शहर प्रदूषण के मामले में दुनिया के शीर्ष 10 शहरों में शामिल हैं। वहीं विश्व के शीर्ष 50 प्रदूषित शहरों में से 43 शहर तो भारत के ही हैं। प्रदूषण की स्थिति को लेकर हम दुनिया में 9वें नंबर पर हैं।

देश में बढ़ती आबादी के साथ तेजी से जल संकट बढ़ रहा है। कई बड़ी नदियां मौजूदा समय में अबतक के सबसे खराब हालात से गुजर रही हैं। देश भर के प्रमुख शहरों और नदियों में प्रदूषण की बड़ी चिंताएं बनी हुई हैं। पानी की कमी जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है।

दूसरी ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट बताती है कि अकेले प्रदूषण से भारत में हर साल लगभग 15 लाख लोगों की मौतें होती हैं। अकेले दिल्ली के 50 फीसदी बच्चों के फेफड़े प्रदूषण के कारण प्रभावित हो रहे हैं जिससे न सिर्फ उनकी पढ़ने-लिखने की क्षमता प्रभावित हो रही है, बल्कि वे खतरनाक बीमारियों के शिकार भी हो रहे हैं। ऐसे तमात आंकड़े डराते हैं। आखिर हम किस प्रकार के 'विकास' की दिशा में बढ़ रहे हैं?

यह भी सही है कि प्रकृति और पर्यावरण के प्रति उदासीनता के लिए राजनीतिक दलों के साथ आम जन भी बराबर के भागीदार प्रतीत होते है। सच यह है कि समाज भी आज प्रकृति और पर्यावरण के मुद्दों से परे हटकर अन्य मुद्दों को ज्यादा महत्वपूर्ण मानता है।

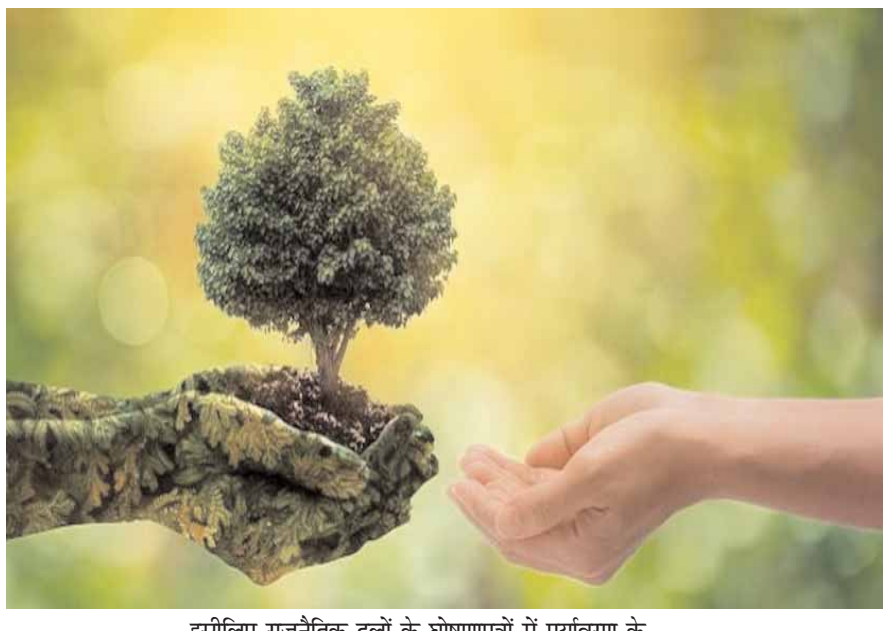

इसीलिए राजनैतिक दलों के घोषणापत्रों में पर्यावरण के मुद्दों को तवज्जो नहीं दी जाती है। जब तक आम जनता प्रदूषण, जंगल, बांध, विस्थापन आदि के प्रति जागरूक नहीं होगी, तब तक पर्यावरण के मुद्दे चुनावी मुद्दे नहीं बन सकते।

इसी संदर्भ में लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कई राज्यों की सैकड़ों पर्यावरण संस्थाओं ने घोषणा पत्र बनाकर मांग पत्र (डिमांड चार्टर) जारी किया है। ताकि, हिमालय के पारिस्थिकी (इकोलॉजी) को बचाया जा सके। इसके लिए पीपल फॉर हिमालय अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत आपदा मुक्त हिमालय की दिशा में मांग पत्र जारी किया गया है।

हाल ही में लद्दाख में सोनम वांगचुक के 21 दिन की भूख हड़ताल ने पूरे देशभर के पर्यावरणविदों और पर्यावरण से जुड़ी समाज सेवी संस्थाओं का ध्यान खींचा है। उत्तराखंड में भी लगातार लंबे समय से जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति और यूथ फॉर हिमालय इस तरह के अभियान चलाते आ रहे हैं तो वहीं, अब अलग-अलग हिमालय राज्यों में एक तरह की समस्याओं का सामना कर रहे सभी लोग एकजुट होकर अपनी आवाज मजबूत कर रहे हैं। यह सभी संस्थाएं 'पीपल फॉर हिमालय अभियान' के तहत अपनी मांगों को लोकसभा चुनाव से पहले सभी राजनीतिक दलों के सामने रख रहे हैं।

यह सही है कि अब पर्यावरण के प्रति सजग होना समय की मांग है। जनता के बीच से गिने-चुने लोग ही पर्यावरण की बात उठाते हैं। सत्ता की धुंध ने आमजनों के मस्तिष्क को इतना प्रदूषित कर दिया है कि लोगों को अब वास्तविक बिगड़ते पर्यावरण के पहलु नजर ही नहीं आ रहे है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल, जंगल, जमीन ही जीवन का आधार हैं। कहीं - कहीं चुनावों में राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्रों में पर्यावरण संरक्षण को शामिल तो करते हैं, लेकिन कोई चुनाव ऐसा नहीं रहा, जब पर्यावरण के मुद्दे पर वोट मांगे गए हों। असल में पर्यावरण से जुड़े तीन सबसे अहम बिंदु हवा, मिट्टी व पानी प्रकृति की देन हैं। इनकी बिगड़ती सेहत को लेकर मुट्ठीभर लोग आवाज तो उठाते हैं, आंदोलन करते है, लेकिन जनता की आवाज आज भी चुनावी मुद्दे का रूप नहीं ले पाती है।

वर्तमान में हम सभी पर्यावरणीय संकट का सामना कर रहे हैं। कभी भी हमारी हवा और पानी इतने खराब नहीं हुए, जितने आज हैं। पर्यावरण के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों का कहना था कि प्रदूषण की वजह से लोगों की जिंदगी को भारी नुकसान पहुंच रहा है। लोग बीमार पड़ते हैं, इससे न सिर्फ उनका स्वास्थ्य खराब होता है, बल्कि उन्हें भारी आर्थिक नुकसान भी होता है। ऐसे में राजनीतिक दलों के साथ साथ सिविल सोसायटी की भी जिम्मेदारी बनती है कि 'पर्यावरण' को एक राजनीतिक मुद्दा बनाने के लिए जमीनी स्तर पर पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के साथ विकास के संतुलन के संदेश को लेकर जाये। लोगों को अब स्वच्छ सांसों के लिए प्रदूषण के खिलाफ जागरूक होना होगा।

देश में राजनीतिक नेतृत्व को न केवल अपने घोषणापत्रों और कार्यों में सामान्य उपायों को मजबूत करने की जरूरत है, बल्कि लोगों के सामने आ रही दुशवारियों को भी को कम करने के लिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और लचीलेपन पर भी निर्माण लेने की जरूरत है। शुद्ध हवा, पानी व भोजन की जरूरत इस समय हर किसी की जरूरत है। सभी राजनीतिक पार्टियों को मुफ्त सुविधाएं देने के बजाय पर्यावरण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर गंभीर होना चाहिए।

आमजन को चाहिए कि राजनीतिक दलों की पहल का इंतजार न कर स्थानीय स्तर पर पर्यावरण से जुड़े पहलुओं को चुनावी मुद्दा बनाया जाए, तभी सभी में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई ऊर्जा का संचार होगा।

शिक्षकों व छात्र/छात्राओं का सम्मान कर मनाया प्रवेशोत्सव

बैतूल/कोलगांव। शासकीय हाई स्कूल कोलगांव में सोमवार 1 अप्रैल को स्कूल प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस संबंध में संस्था के प्राचार्य डी.के. काले द्वारा बेहतर परीक्षा परिणाम लाने पर समस्त छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों का सम्मान कर प्रवेश उत्सव मनाया गया। नए

शैक्षणिक सत्र के प्रथम दिन के प्रथम सत्र में शिक्षकों को कक्षा नवमी में 83.33 प्रतिशत, जिसमें प्रविष्ट 84 में से 70 बच्चे उत्तीर्ण हुए थे, तथा कक्षा 11वी में 74 में से 74 छात्र उत्तीर्ण हुए थे, इस प्रकार उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत 100 प्रतिशत आने पर विशेष रूप से बधाईयाँ दी गई। उन्होंने बताया कि कक्षा 9वीं में कुमारी लता पिता नन्दू बारपेटे (86.60 प्रतिशत) तथा कक्षा 11वीं में आराधना पिता हेमराज नरवरे को विशेष कर बधाई दी गई है। इस मौके पर शाला में उपस्थित बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक भी वितरित की गई।

निर्वाचन प्रशिक्षण में लापरवाही, कलेक्टर ने 4 को निलंबित कर 88 कर्मचारियों की एक-एक वेतन वृद्धि रोके जाने दी चेतावनी

बैतूल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने निर्वाचन प्रशिक्षण के चलते प्रशिक्षण से गैर हाजिर 4 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। 92 अनुपस्थित कर्मचारियों से में से 4 को निलंबित एवं शेष 88 कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किया है। नोटिस का जवाब संतोषजनक ना मिलने पर एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोके जाने की चेतावनी दी गई है।

निलंबित कर्मचारियों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चोपना के नियमित भृत्य कपिल बोडक़ी, जिला चिकित्सालय के सहायक ग्रेड-3 हिमांशु कुमरे, प्राथमिक शाला कुटखेड़ी के सहायक अध्यापक कमलेश ठाकुर एवं एकीकृत आदिवासी विभाग परियोजना बैतूल की स्टेनोग्राफर साधना चौहान शामिल है।

प्रासंगिक होगा कि लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों के तहत प्रथम चरण का प्रशिक्षण 26 मार्च 2024 से 28 मार्च 2024 तक आयोजित किया गया था। तीन दिवसीय इस प्रथम प्रशिक्षण सत्र में जिले के 10 विकासखंडों में 11 प्रशिक्षण केन्द्रों पर यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य निर्वाचन कार्यों में संबद्ध कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया पर बिन्दुवार प्रशिक्षित करना है। निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी निर्वाचन के लिए मतदान एवं मतगणना से जुड़ी सुरक्षात्मक बारीकियों से अवगत कराना है।

श्री शिव छत्रपति मराठा संघ देवास का तृतीय नि :शुल्क अखिल भारतीय परिचय सम्मेलन 19 मई को

देवास। श्री शिव छत्रपति मराठा संघ देवास द्वारा उच्च शिक्षित, उच्च आय वर्ग हेतु हाइटेक परिचय सम्मेलन 19 मई 2024 रविवार को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष कीर्ति चव्हाण ने बताया कि शिव छत्रपति मराठा संघ विगत दो वर्ष से अखिल भारतीय स्तर पर विवाह योग्य युवक युवतियों के परिचय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। विगत वर्ष के द्वितीय सफल आयोजनों के पश्चात इस वर्ष भी श्री शिव छत्रपति मराठा संघ इस वर्ष तृतीय अखिल भारतीय क्षत्रिय मराठा परिचय सम्मेलन करने जा रहा है। इस समाजोपयोगी आयोजन में समाज बंधुओं का सहयोग प्राप्त हो रहा है। विगत वर्ष इस मंच के माध्यम से अनेक रिश्ते तय हुए है। उनकी सद्भावना और सहयोग से हम निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होते जा रहे हैं। सामाजिक कार्यों में समाज के सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक होता है। इस अवसर पर परिचय विशेषांक का प्रकाशन भी किया जाएगा। जिसमें प्रत्याशियों एवं अभिभावकों की फोटो सहित पूर्ण जानकारी दी जावेगी। चूंकि क्षत्रिय मराठा समाज देवास शहर में अपनी गौरवशाली परम्पराओं के अनुसार समाज के समाजसेवी को मराठा गौरव के साथ सम्मान समारोह का आयोजन भी करने जा रहा है

माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने निकाला गणगौर का बाना

देवास। माहेश्वरी समाज की महिला संगठन अध्यक्ष चेतना माहेश्वरी ने बताया कि महिला संगठन, संस्कृत सिद्धा एवं आध्यात्म समिति की स्वाति मूंदड़ा द्वारा गणगौर का बाना बड़े ही धूमधाम से निकाला गया। मल्हार स्मृति मंदिर में महिलाओं ने सबसे पहले गणगौर को पानी पिलाया फिर झाले दिए उसके पश्चात नृत्य किया। समाज की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। बगीचे से बैंड बाजे के साथ बाना निकाला गया और डागा जी के घर तक गणगौर लेकर गए। सचिव अनीता मंत्री ने सभी का आभार माना ।

निगम द्वारा अतिक्रमण कार्यवाही कर अवैध निर्माण हटाया गया

देवास। नगर निगम वार्ड क्र. 28 नई आबादी कॉलोनी स्थित शिव शक्ति चौराहा पर नगर निगम की टीम द्वारा गली में मकान निर्माण के साथ किया गया अवैध निर्माण को माननीय न्यायालय के आदेश अनुसार तोड़ा गया। उल्लेखनीय है कि निर्माणधीन भवन स्वामी कामरान खान, इमरान खान, प्रवेश खान पिता मन्नान खान के द्वारा भवन निर्माण किया गया जिसमें निर्माण के साथ कॉलोनी से निकलने वाली गली में पक्का अवैध निर्माण कर लिया गया था जिसे नगर निगम की टीम द्वारा अपने संसाधनों से कार्यवाही कर अतिक्रमण को तोड़ा गया साथ ही मटेरियल भी जेसीबी के माध्यम से उठवाया गया। की गई कार्यवाही में निगम सहायक यंत्री इंदूप्रभा भारती, उपयंत्री विजय जाधव, भूमिका जैन, अनिता ठाकुर, विमलेश सिंह, विजयता पन्दे सहित अतिक्रमण दस्ता उपस्थित रहा।

ऑल ओवर नल जल कार्यों में बैतूल टॉप टेन में

नल-जल योजनाओं की जियो टैगिंग में प्रथम स्थान पर

कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी की टीम को इस उपलब्धि पर दी बधाई

बैतूल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी बैतूल द्वारा एकल ग्राम नल जल योजना इन्फॉर्मेशन बोर्ड जियो टेड्क्षगग में मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है। यांत्रिकी ने बैतूल नल जल कार्यों की उपलब्धियों में पूरे प्रदेश में टॉप 10 में स्थान हासिल किया है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी और मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि टीम वर्क के साथ किए गए कार्य का परिणाम भी अव्वल ही रहता है।

इन्फोर्मेशन जियो टेगिंग में प्रथम- कार्यपालन यंत्री आर.एल. सैकवार ने बताया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी बैतूल द्वारा एकल ग्राम नल जल योजना इन्फॉर्मेशन बोर्ड जियो टैगिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। हर घर जल सर्टिफिकेशन में द्वितीय स्थान और रिपोर्टेड में चौथा स्थान, एफएचटीसी आठवा स्थान, योजनाओं को हैंडेड ओवर आठवें स्थान पर रहा। इस प्रकार प्रदेश सभी लक्ष्यों में बैतूल जिला प्रथम 10 जिलों में शामिल रहा।

424 ग्रामों के घरों में शत प्रतिशत नल जल- श्री सैकवार ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 424 ग्रामों में शत प्रतिशत घरों में नल से जल प्रदाय किया जा रहा है। विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष में कुल 18818 परिवारों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। वित्तीय वर्ष के अंत तक 76.27 प्रतिशत कुल 202670 ग्रामीण परिवारों को नल के माध्यम से जल प्रदाय किया जा रहा है। एकल ग्राम नल जल योजनाओं में इन्फोर्मेशन

बोर्ड के जियो टेगिंग का कार्य विभाग द्वारा किया गया। कुल 1166 इन्फोर्मेशन बोर्ड में से 608 का लक्ष्य कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। हर घर जल रिपोर्टेड 424 ग्रामों में से 279 ग्रामों को सर्टिफाइड का लक्ष्य पूर्ण कर प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया गया। प्रदेश में ग्रामों के सर्टिफाईड में जिला इंदौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। हर घर जल रिपोर्टेड में 424 का लक्ष्य पूर्ण कर प्रदेश में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया गया। प्रदेश में रिपोर्टेड ग्रामों के लक्ष्य हेतु क्रमशः जिला राजगढ़, जिला धार, जिला इंदौर ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

घरेलू कनेक्शन में आठवां स्थान- घरेलू कनेक्शन (एफएचटीसी) के लक्ष्य 250000 में से 18818 पूर्ण कर प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त किया गया। प्रदेश में घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटसी) के लक्ष्य हेतु क्रमशः जिला निवाड़ी, जिला बुरहानपुर, जिला इंदौर ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया है। हर घर जल सर्टिफाईड 279 योजनाओं में से 186 योजनाएं ग्राम पंचायत को हस्तांतरण पूर्ण कर प्रदेश में 9वा स्थान प्राप्त किया गया। प्रदेश में योजनाएं ग्राम पंचायत को हस्तांतरण के लक्ष्य हेतु क्रमशः जिला इंदौर, जिला उज्जैन, जिला रीवा ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

प्रत्येक बूथ पर भाजपा को लीड दिलाने के लिए जुट जायें : विधायक खंडेलवाल

बैतूलबाजार, गंज, कोठीबाजार मंडल की बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को सौंपी बूथ की जिम्मेदारी

बैतूल। बैतूल हरदा हरसूद संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी सांसद डी.डी. उईके को अधिक से अधिक मतों से चुनाव जिताने के लिए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल नें मोर्चा संभाल लिया है। विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं की बैठकें लेकर बैतूल विधायक द्वारा उन्हें प्रत्येक मतदान केन्द्र पर भाजपा को लीड दिलानें की जिम्मेदारी सौपी जा रही है। मोती वार्ड बैतूल स्थित लोकसभा चुनाव के बैतूल विधानसभा चुनाव कार्यालय में बैतूल विधायक नें बैतूल बाजार, बैतूल गंज एवं कोठी बाजार भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक ली। उन्होनें कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव के मतदान तक सब काम छोड़कर प्रत्येक बूथ पर भाजपा को लीड दिलवानें के लिए जुट जायें। बैतूल विधायक नें बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं को बूथ की जिम्मेदारी सौपी।

नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है- कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल नें कहा कि लोकसभा का यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है। यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनानें का चुनाव है, देश को दुनिया का सिरमौर बनानें का चुनाव है। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ का मोर्चा संभाल ले। लाभार्थी सहित प्रत्येक मतदाता से सतत संपर्क कर म.प्र. और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी दें। जिससे प्रत्येक बूथ पर भाजपा के पक्ष में अच्छा माहौल बनेगा जो सांसद डी.डी.उईके की अधिक से अधिक वोटो की जीत सुनिश्चित करेगा। भाजपा प्रत्याशी सांसद डी.डी उईके का नामांकन भरवाने 4 अप्रैल को बैतूल आ रहे मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के कार्यक्रम को लेकर भी बैठक में रूपरेखा बनाई गई। उन्होनें कहा कि मुख्यमंत्री बननें के बाद डॉ.मोहन यादव पहली बार बैतूल आ रहे है। इसलिए बूथ स्तर तक सभी कार्यकर्ता उनके भव्य स्वागत की तैयारी करें।

बैठक में हरदा भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा हरदा विधानसभा संयोजक देवी सिंह, बैतूल नपाध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत माकोड़े, पूर्व भाजपा जिला महामंत्री मनीष सिंह ठाकुर, पूर्व नपाअध्यक्ष आनंद प्रजापति, विधानसभा प्रभारी मधु पाटनकर, राजेश आहूजा, गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, कोठीबाजार मंडल अध्यक्ष विक्रम वैध, बैतूल बाजार मंडल अध्यक्ष सुनील पवार, दीपू सलूजा, राजेन्द्र सिंह चैहान केंडू बाबा सहित भाजपा नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

बसपा प्रत्याशी श्री भलावी ने एक और भाजपा सांसद श्री उईके ने भरे 3 नामांकन

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन नाम निर्देशन के छटवे दिन मंगलवार को बसपा प्रत्याशी अशोक भलावी ने जिलाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ अपना नामांकन रिटर्निंग अधिकारी राजीव कहार और उप जिलाधिकारी अजीत मरावी के समक्ष प्रस्तुत किया। भलावी ने संसदीय लोकसभा क्षेत्र-29 बैतूल के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।

श्री उईके ने भरे 3 आवेदन

भाजपा प्रत्याशी डीडी उईके द्वारा मंगलवार को 2 नामांकन और दाखिल किए गए। इसके पूर्व उन्होंने अपना पहला नामांकन रंगपंचमी 30 मार्च 2024 के दिन जमा कराया था। श्री उईके ने अपना दूसरा नामांकन मंगलवार को सुबह 11.20 पर जमा कराया। उनके साथ विधायकगण महेन्द्र सिंह चौहान, गंगा सज्जन सिंह उईके, चंद्रशेखर देशमुख उपस्थित थे। सांसद श्री उईके ने अपना तीसरा नामांकन निर्देशन पत्र 2:24 मिनट पर दाखिल किया। इस अवसर पर उनके साथ पार्वतीबाई बारस्कर, अलकेश आर्य, सुभाष आहूजा भी उपस्थित थे।

10 नामांकन का हुआ विक्रय

नामांकन प्रारंभ होने से अब तक 6 दिनों में कुल 10 नाम निर्देशन पत्र क्रय किए गए। इसमें मंगलवार को कुल 2 नामांकन पत्र क्रय किए। इसमें स्वतंत्र किसान पार्टी से ग्राम नीमढाना पोस्ट रानीपुर तहसील घोड़ाडोंगरी के सुभाष बारस्कर एवं भारत आदिवासी पार्टी से ग्राम अंधारिया पास्ट बारंगवाड़ी तहसील आमला जिला बैतूल निवासी श्री अमित योगी उईके ने नामांकन पत्र क्रय किए।

8 अप्रैल को प्रतीक चिन्ह

उल्लेखनीय है कि नाम निर्देशन प्राप्त करने की कार्रवाई 4 अप्रैल को समाप्त हो जाएगी। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 5 अप्रैल को और 8 अप्रैल तक अभ्यर्थी अपना नाम वापिस ले सकेंगे। 8 अप्रैल को ही प्रतीक आवंटित किए जाएंगे।

स्वीफ्ट डिजायर में गौवंश तस्करी, ताप्ती घाट नाले में पलटा वाहन, तस्कर वाहन छोड़कर भागे

बैतूल। लोकसभा चुनाव के चलते पुलिस की चाक-चौबंद नाकाबंदी के बावजूद गौ-तस्करों के हौसले बुलंद है। जिले में आए दिन गौवंश तस्करी के मामले सामने आ रहे है। मंगलवार सुबह भी शिफ्ट डिजायर से हो रही गौ-तस्करी उजागर हुई। यह वाहन ताप्ती घाट में पलट गया, जिसके बाद तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए। राष्ट्रीय हिन्दू सेना के पदाधिकारियों ने गाड़ी से बाहर निकालकर 5 गौवंश को सुरक्षित गौशाला पहुंचाया।

राष्ट्रीय हिंदू सेना के प्रांत मीडिया प्रमुख सूरज खाड़िया ने बताया कि सुबह क़रीब 6 बजे सूचना प्राप्त हुई कि एक शिफ़्ट डिज़ायर सवारी गाड़ी खेड़ी ताप्ती मोड में पलट गई है । गाड़ी में गौवंश भरा हुआ है तभी इसकी सूचना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक

मालवीय को दी गई। श्री मालवीय ने तत्काल गोवंश से भरी गाड़ी की सूचना कंट्रोल रूम एवं खेड़ी चौकी प्रभारी इरफान कुरेशी की दी और मौके पर पहुँचे। खेड़ी नगर अध्यक्ष नवल प्रजापति ने बताया कि एक सफेद कलर की स्वीफ्ट सवारी गाड़ी क्रमांक MH04ES9524 से 5 नग गौवंश को गाड़ी की सीटों को हटाकर क्रूरतापूर्वक एक के ऊपर एक रसियों से बांध कर भरकर महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। दुर्घटना होने पर तस्करी का खुलासा हुआ। संगठन के पदाधिकारियो ने मौके पर पहुँचकर पुलिस के सहयोग से गाड़ी में भरे हुए गौवंश को बाहर निकालकर गोवंश को माँ ताप्ती गौशाला भयावाडी पहुंचाया। प्रखंड अध्यक्ष रोशन खाड़िया ने बताया कि तस्करों के हौसले बुलंद हैं, गाड़ी पलटने के बाद भी कुछ तस्कर सराड़ के युवकों के साथ ट्रैक्टर लेकर पलटी हुए गाड़ी के पास पहुँच गए थे। तभी संगठन के सदस्यों को पहुँचा देख गौ तस्कर वहाँ से फ़रार हो गए। इस दौरान मौके पर राजा चौहान, स्वप्निल पवार, दिलीप उइके, सरपंच सदन उइके भी मौजूद थे।

पेट्रोल पंप पर काम करने वाली सेल्सगर्ल को प्रेमी ने पेट्रोल डालकर जलाया, आरोपी फरार

घटना के कुछ घंटे पहले ही दिखाया था चाकू, राजीनामा हो जाने से घर ले गई थी प्रेमिका

बैतूल। जिले में सनसनीखेज अपराधों का सिलसिला थमता नजर नही आ रहा है। बीते दिनों आदिवासी युवकों के साथ मारपीट के दो मामलो की वजह से सुर्खियों में आए जिले में अब एक युवती को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। अभी युवती गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती है। पीड़िता आदिवासी युवती हमलापुर के पेट्रोल पंप पर सेल्स गर्ल का काम करती और अपनी मां के साथ किराए के मकान में हमलापुर क्षेत्र में ही रहती है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युवती के प्रेमी द्वारा विवाह के लिए दबाव बनाया जा रहा था। मना करने पर उसने वारदात को अंजाम दिया। इस घटना के कुछ घंटे पहले ही आरोपी ने प्रेमिका को शराब के नशे में चाकू दिखाया था जिसकी शिकायत पर आरोपी को बैतूलगंज थाने ले जाया भी गया, लेकिन माफी मांगने और दोबारा गलती न करने का भरोसा दिलाने पर युवती ने राजीनामा कर लिया। थाने में करीब 1 घंटे तक युवक को पुलिस ने रखा भी था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलतः मलकापुर गांव की निवासी 22 वर्षीय आदिवासी युवती वर्तमान में हमलापुर में रह रही है। सोमवार की रात 11 बजे अर्जुनगर निवासी

आर्यन मालवीय ने युवती को पेट्रोल डालकर जला दिया। पीड़िता का आरोप है कि प्रेमी युवक द्वारा विवाह करने के लिए दबाव बना रहा था। सोमवार को युवक रात करीब 11 बजे घर आया और उसने गेट पर पेट्रोल छिड़क दिया। पेट्रोल की महक आने पर युवती ने गेट खोला और मौका पाकर आरोपी आर्यन मालवीय ने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। गंभीर हालत में पीड़िता को रात में जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां पीड़िता का अभी उपचार जारी है।

लिव इन में रह रहे थे युवक-युवती- पीड़िता एवं आरोपी युवक करीब 4-5 साल से लिव इन रिलेशन में है। युवक का युवती के घर आना-जाना लगा रहता था। जानकारी के मुताबिक आरोपी पीड़िता को अक्सर शराब पीकर परेशान करता था। बीती रात भी उसने युवती को चाकू दिखाकर विवाह के लिए दबाव बनाने प्रयास किया। शराब पीने की आदत के कारण युवती उससे विवाह करने राजी नही है। सोमवार शाम को चाकू दिखाकर डराने की शिकायत पर जब पुलिस उसे थाने लेकर गई तो उसने माफी मांग ली। माफी मांगने के कुछ घंटे बाद ही युवक ने इस घटना को अंजाम दे दिया और फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

इनका कहना

आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती का उपचार जिला अस्पताल में जारी है वह करीब 40 प्रतिशत जल गई है। धारा 307 और एससी एसटी एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

जिले के मतदानकर्मियों के लिए आज से प्रशिक्षण आरंभ, तीन दिन चलेगा प्रशिक्षण

धार। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिये जिले की सभी विधानसभाओं के मतदानकर्मियों के लिए एक साथ दो-दो सत्रों में प्रशिक्षण आज से शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण 4 अप्रैल तक संबंधित विधानसभा क्षेत्र के नियत स्थल पर दो-दो सत्रों में संचालित होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा आज गंधवानी सीएम राइज स्कूल और सरदारपुर के मॉडल स्कूल पहुँचे। यहाँ जारी प्रशिक्षण का उन्होंने जायज़ा लिया। संयुक्त कलेक्टर और गंधवानी की सहायक निर्वाचन अधिकारी अंकिता प्रजापति और संयुक्त कलेक्टर और सरदारपुर की सहायक निर्वाचन अधिकारी मेघा पवार साथ थी।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रशिक्षण में सम्मिलित प्रशिक्षणार्थियों को निर्देशित किया कि चुनाव प्रक्रियाओं की बारीकियों को समझें। निर्वाचन संबंधी तमाम जिज्ञासाओं के समाधान के बाद ही प्रशिक्षण हॉल छोड़े। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में हुई गलती क्षम्य नहीं होगी।निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक बिन्दु के संबंध में लिखित निर्देश जारी किए गए है जिसका अध्ययन कर शत प्रतिशत पालन कराया जाना है। उन्होंने सम्पूर्ण निर्वाचन कार्य टीम वर्क की

भावना से करने पर बल देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक मतदानकर्मी की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से निगरानी रखी जाती है। किसी एक की गलती से प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। किन्ही भी परिस्थितियों में हमारी प्रतिष्ठा प्रभावित ना हो, इसका पूरा ध्यान रखना आवश्यक है।

मतदान दल की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसके लिए मतदान दलों को निर्वाचन प्रक्रिया से भली भांति अवगत होना आवश्यक है। मतदान के पूर्व की तैयारियों से लेकर मतदान दिवस तथा मतदान का समय समाप्त होने के पश्चात मतपत्र लेखा तैयार करनें की जानकारी तक से अवगत होना आवश्यक है। मतदान दल में तैनात सभी शासकीय सेवक ईव्हीएम संचालन का पर्याप्त अभ्यास कर लें।

प्रशिक्षणार्थियों को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान दल के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, पोलिंग एजेंटों की मतदान केंद्र पर नियुक्ति, मतदान केंद्र पर एक दिन पूर्व होने वाली कार्यवाही, मतदान के पूर्व की तैयारी एवं मॉक पोल, मतदान की पूर्व तैयारी एवं मॉक पोल, मॉक पोल का क्रम, मॉक पोल के दौरान मशीनों का परिवर्तन, मॉक पोल के पश्चात मशीनों की सीलिंग, वास्तविक मतदान प्रारंभ, मतदान केन्द्र में प्रवेश के लिये अनुमति धारक व्यक्ति, मतदान केंद्र पर मतदाताओं के प्रवेश का विनिमय, मतदान केंद्र और आस-पास निर्वाचन विधि का प्रवर्तन, मतदान प्रक्रिया, मतदान के दौरान की विशेष स्थितियां, बैटरी का विस्थापन, विस्थापन, व्हीव्हीपीएटी पेपर स्लिप पर गलत प्रिंट, मतदान समाप्ति पर कार्यवाही, निर्वाचन अभिलेख तैयार करना एवं पैकिंग, किंग, बुकलेट प्रपत्र, आदि की जानकारी दी गई।ज्ञात रहे कि ज़िले के 17 हज़ार से अधिक शासकीय सेवकों को आज से प्रशिक्षित किए जाने का सिलसिला आरंभ हुआ है जो तीन दिवस तक चलेगा।

राजस्थानीय आद्य गौड़ ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया

धार। राजस्थानीय आद्यगौड ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने शीतला सप्तमी पर जल्दी सुबह पूजन कर शाम को गणगौर पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया । इस अवसर पर महिलाओं ने सीतला सप्तमी पर शाम को लालबाग में गणगौर की पूजा कर छोटी बच्चियों को दूल्हा - दुल्हन बनाकर विशाल शोभायात्रा निकाली जो धारेश्वर मंदिर में समापन हुई । जिसमे बड़ी संख्या में मातृ शक्ति ने भाग लिया। जिसमें प्रमुख रूप से समाज की महिला मंडल अध्यक्ष सरिता शास्त्री, त्रिवेणी शर्मा, रेखा मिश्रा, अवंति शर्मा, पूजा शर्मा, किरण शर्मा , मोना शर्मा, राधा तिवारी, निधि शास्त्री, सपना मिश्रा, ममता शर्मा, उषा शर्मा , प्रतिभा मिश्रा , अमिता तिवारी, सुषमा तिवारी, आदि अनेकानेक महिलाओं ने भाग लिया। जानकारी प्रतिभा दुबे ने दी।

13 मई मतदान दिवस को सवैतनिक अवकाश प्रदान करने का परिपत्र जारी

धार। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी प्रियंक मिश्रा ने धार जिले की संपूर्ण - राजस्व सीमा में स्थित औद्योगिक व वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों तथा अन्य सभी स्थापना के नियोजकों को निर्देशित किया हैं कि वे अपने संस्थान में कार्यरत से व्यक्तियों को, जिनमें आकस्मिक एवं दैनिक मजदूर भी सम्मिलित है, जो मध्यप्रदेश राज्य के पंजीकृत मतदाता है उन्हें लोकसभा आम निर्वाचन 2024 मतदान तिथि 13 मई 2024 (सोमवार) के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मतदान दिवस को सवैतनिक अवकाश प्रदान करने का परिपत्र जारी किया है, ताकि उनके द्वारा मतदान के अधिकार का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

ज्ञात हो कि भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश के समस्त संसदीय क्षेत्रों में लोकसभा के आम निर्वाचन हेतु निर्वाचन कार्यक्रम 2024 जारी किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्य के संसदीय क्षेत्र क्रमांक 25 धार में मतदान तिथि 13 मई 2024 (सोमवार) निर्धारित है। उक्त संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135-ख के प्रावधानानुसार निर्वाचन के दौरान मतदान दिवस को किसी भी करोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम अथवा अन्य किसी स्थापना में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को मतदान करने हेतु सवैतनिक अवकाश प्रदान किये जाने के निर्देश है तथा यह उल्लेख है कि यह निर्देश ऐसे निर्वाचको पर लागू नहीं होंगे जिनकी अनुपस्थिति से उस नियोजन में कोई खतरा या सारवान हानि (Substantial) स्वेद्ध हो सकती है। इस प्रावधान के अंतर्गत दैनिक वेतन/आकस्मिक श्रमिक भी मतदान दिवस पर मजदूरी सहित अवकाश के हकदार होंगे। इस प्रावधान का उल्लंघन करने वाले नियोजको के विरुध्द दण्ड के प्रावधान हैं। इस हेतु संसदीय क्षेत्रों में आने वाले समस्त कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम अथवा अन्य किसी स्थापना में कार्यरत कामगारों को मतदान के लिए सुविधा देने की दृष्टि से इनके नियोजको, अधिभोगीगणों, प्रबंधको को निर्देशित किया जाता हैं कि वे उपर्युक्त प्रावधान का समुचित परिपालन अनिवार्यतः सुनिश्चित करें।

स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियाँ हुई आयोजित

नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में और सीईओ जिला पंचायत व जिला नोडल अधिकारी स्वीप श्री दलीप कुमार के मार्गदर्शन में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत वृद्धजन व दिव्यांग मतदाताओं का सम्मान, नुक्कड़ नाटक, रंगोली, मानव श्रृंखला, सेल्फी प्वाइंट, प्रेरक नारे और अन्य गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे मतदान का प्रतिशत अधिक हो।इसी क्रम में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत सोमवार को नगर पालिका करेली में वृद्धजन व दिव्यांग मतदाताओं का सम्मान कर मतदाता जागरूकता शपथ ग्रहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के विद्यार्थियों ने पुराने बस स्टेंड में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित कर मतदान करने की शपथ दिलाई। शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा में छात्राओं ने आकर्षक रंगोली बनाकर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। जिले की ग्राम पंचायत तूमड़ा, भूतखेड़ा, पिपरियाकलां, सिमरिया कला व अन्य ग्रामों में मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई।जिले के शासकीय महाविद्यालय सांईखेड़ा में मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया। जनपद पंचायत करेली एवं सांईखेड़ा में सेल्फी प्वाइंट बनाया गया। जहां मतदाताओं ने सेल्फी ली। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं ने कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन में मतदान करने व अन्य मतदाताओं को प्रेरित करने की शपथ ली। उन्होंने हाथों में तख्तियां लेकर प्रेरक नारे लिखकर मतदाताओं को प्रेरित किया।

मंत्री पुत्र द्वारा पत्रकार पर हमले के विरोध में नरसिंहपुर के पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। शनिवार रात्रि भोपाल के शाहपुरा थानांतर्गत राज्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन नरेंद्र पटेल के पुत्र अभिज्ञान पटेल द्वारा भोपाल के पत्रकार विवेक सिंह पर जानलेवा हमला किया गया साथ ही जब विवेक सिंह हमले से बचने के लिए पास के ही एक रेस्टोरेंट मे गये तो मंत्री पुत्र एवं उनके साथियों ने रेस्टोरेंट के संचालक दंपति के साथ भी मारपीट की मामला यहीं शांत नही हुआ रात्रि करीब 10 बजे राज्यमंत्री स्वयं शाहपुरा थाने पहुंचे एवं पुलिस पर दबाव बनाया एवं अपनी राजनैतिक पहुंच के जरिये अपने कर्तव्य का पालन कर रहे पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड करवाया। उक्त घटना मे साफ तौर पर राजनैतिक दबाव का दुरूपयोग एवं जानलेवा हमला करने जैसे आपराधिक कृत्यों को अंजाम दिया गया है जो की लोकतंत्र के लिए घातक है, उक्त घटना के विरोध मे एवं पीड़ित पत्रकार के समर्थन मे पत्रकार अधिकार अभियान समिति के आव्हान पर सोमवार को नरसिंहपुर जिला मुख्यालय के पत्रकारों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागेंद्र पटेरिया को ज्ञापन सौंपा गया।

देवास कोतवाली पुलिस को मिली बड़ी सफलता, लूट के शातिर आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी के पास से 1 सोने की चेन, 1 पल्सर मो.सा. सहित करीब 2 लाख रूपये का माल जब्त

देवास । मोतीबंगला देवास की रहने वाली रिटायर्ड स्कूल टीचर फरियादिया उमा भारती पिता रामचन्द्र भारती ने कोतवाली थाना आकर रिपोर्ट किया कि आज दिनांक को दोपहर करीबन 2.00 बजे फरियादिया द्वारा अपने घर के सामने सब्जी वाले भारत के सब्जी के ठेले पर से सब्जी खरीदते समय बिना नंबर की एक काले रंग की मोटर साईकिल पर सवार मुँह पर केसरिया रंग के गमछे पहने एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा फरियादिया के गले में पहनी हुई सोने की चैन को झपटा मारकर गले से चैन छीनकर उसकी मोटर साईकिल से भागना बताया था।

फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पर अपराध क्रमांक- 191/17.03.24 धारा- 392 भादवि का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक देवास श्री सम्पत उपाध्याय के निर्देशन में श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जयवीर सिंह भदौरिया एवं श्रीमान नगर पुलिस अधीक्षक दीशेष अग्रवाल के मार्गदर्शन में एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई।

थाना प्रभारी कोतवाली दीपक सिंह यादव एवं थाना कोतवाली टीम द्वारा शहर देवास से बाहर जाने वाले रास्ते एवं टोल के सीसीटीव्ही फूटेज चैक किये गये जिसमें इन्दौर भोपाल के हाइवे पर फरियादिया द्वारा बताये हुलिया का व्यक्ति मय पल्सर मोटरसाईकिल के दिखा। करीबन 750 सीसीटीव्ही फूटेज को चैक करने के बाद शातिर चैन स्नेचर फिरोज उर्फ लोटीया पिता शफीक खान उम्र 42 साल निवासी मकान नं. 264 गलीनं. 3 सलीम चोक काजी केम्प भोपाल के रुप में शातिर आरोपी की पहचान हुई। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास घटना में प्रयुक्त पल्सर मो.सा एक किपेड मोबाईल व 1 सोने की चैन जब्त की गई है जिसकी कुल कीमत करीब 2 लाख रूपये है।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि दिनांक 20 मार्च को जिला सागर के मकरोनिया थाना क्षेत्र से एक महिला के गले से सोने की चैन एवं दिनांक 22 मार्च को जिला विदिशा के गंजबासौदा थाना क्षेत्र से एक महिला के गले से सोने की चैन को लूट करना स्वीकार किया। उक्त आरोपी का आपराधिक रिकार्ड देखते आरोपी के विरूद्ध मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरो के थानो तथा उत्तरप्रदेश के झांसी शहर सहित करीब 31 आपराधिक प्रकरण लूट व अन्य गंभीर धाराओ के दर्ज है।

जप्तशुदा सामग्री -आरोपी के पास से 1 सोने की चेन, 1 पल्सर मो.सा. सहित करीब 2 लाख रूपये का माल जब्त किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी का नाम

1- फिरोज उर्फ लोटीया पिता शफीक खान उम्र 42 साल निवासी मकान नं. 264 गलीनं. 3 सलीम चोक काजी केम्प भोपाल

सराहनीय कार्य - उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी थाना कोतवाली श्री दीपक सिंह यादव, उनि सचिन सोनगरा, प्र. आर मनोज पटेल, प्र.आर रवि गरोडा, प्र. आर सुनील देथलिया, प्र. आर हेमंत डाबी, प्र. आर जितेन्द्र पटेल, आरक्षक नवीन देथलिया, मनीष देथलिया का सराहनीय योगदान रहा।

इनरव्हील क्लब मंडल अध्यक्ष बीना शाह अपने आधिकारिक यात्रा पर..

नर्मदापुरम। मित्रता सेवा और सद्भावना के बैनर तले इनरव्हील सदस्याएं सेवा को लेकर सदैव अग्रणी है। खण्डवा जिले से आई इनरव्हील मंडलाध्यक्ष बीना शाह ने यहां आकर क्लब के किए कार्यों का निरीक्षण किया। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष वंदना समैया ने बताया बीना शाह जी नारी रत्न से सम्मानित हुई है। इस दौरान इनरव्हील प्रार्थना का वाचन निधि जैन और अर्चना सिंघई ने किया। सरस्वती वंदना अंजु गुप्ता और भावना चावरा ने प्रस्तुत किया स्वागत गीत, कामिनी जैन, विजेता दुबे, प्रीति मालवीय ने प्रस्तुत किया गया।

स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष वंदना समैया ने दिया सेक्रेटरी रिपोर्ट सचिव नीता जैन ने प्रस्तुत की आइसो रिपोर्ट अंजू गुप्ता दी। मंडल अध्यक्ष बीना जी का परिचय श्रीमती नीरजा फौजदार ने दिया। इस मौके पर खास बात यही रही कि महिला सशक्तिकरण पर पोस्टर मेकिंग कंपटीशन नर्मदा पुरम के स्कूली बच्चों में कराया गया। जिसमें 300 बच्चों ने भाग लिया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर ममता सिंह चौहान ने किया। और प्रतियोगिता में शामिल बच्चों को डॉ अनुपमा सेठा, स्वाति जैन द्वारा पुरस्कार दिए गए।

प्रत्याशी नामांकन हेतु..

भंवर जितेंद्र सिंह, जीतू पटवारी, अरुण यादव और विवेक तनखा आज नगर आयेंगे..

नर्मदापुरम। होशंगाबाद(नर्मदापुरम) जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवाकांत पांडेय गुड्डन ने जारी बयान में बताया कि एआईसीसी महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरूण यादव, राज्यसभा सांसद विवेक तनखा 3 अप्रैल बुधवार को आज होशंगाबाद (नर्मदापुरम) प्रवास पर रहेंगे। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता राजकुमार केलू उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस नेतागण 3 अप्रैल को दोपहर 12:45 बजे बैतूल से हेलीकाप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 1:30 बजे होशंगाबाद(नर्मदापुरम) पहुंचेंगे। नेतागण होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी संजय शर्मा(संजू भैया) के नामांकन दाखिल रैली, सभा में सम्मिलित होंगे। नेताद्वय दोपहर 2:30 बजे होशंगाबाद (नर्मदापुरम) से हेलीकाप्टर द्वारा टीकमगढ़ रवाना होंगे। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता राजकुमार केलू उपाध्याय ने होशंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के आठों विधानसभा के समस्त कांग्रेस जनों से अधिक से अधिक साथियों सहित उपस्थित रहने की अपील की है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क ,कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी संजय शर्मा के चुनावी कार्यालय का शुभारंभ

सुबह सवेरे सोहागपुर। आज कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी संजय शर्मा के चुनावी कार्यालय का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर प्रत्याशी संजय शर्मा, विधानसभा प्रत्याशी रहे पुष्पराजसिंह पटैल,पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, कांग्रेस नेता रणबीर सिंह पटैल, वकील मंगल सिंह रघुवंशी, वकील देवान्शु शर्मा, उमेश रघुवंशी, नीरज चौधरी, गजेन्द्र चौधरी, राजा भैया पटैल सोढरा, सेवादल नेता इरफान खान, आदि उपस्थित थे। राजा भैया

पटैल सोढरा अध्यक्ष मंडलम कमेटी सोहागपुर एवं नीरज चौधरी ने बताया कि चुनाव कार्यालय शुभारंभ के पूर्व नर्मदापुरम-नरसिंहपुर लोकसभा प्रत्याशी संजय शर्मा ने ग्राम अजनेरी, ग्राम तालाखेड़ी ग्राम सोढरा, ग्राम गूजरखैरी ग्राम तेलसिर आदि ग्रामों का सघन दौरा किया। राजा भैया पटैल ने बताया कि नागरिकों का व्यापक जनसमर्थन मिला रहा है। विधानसभा चुनाव परिणाम के अनुरूप ही सर्मथन देने का जनमानस ने आश्वस्त किया है।

वार्ड क्रमांक 5 में एक सप्ताह के भीतर दो दर्जन से ज्यादा सुअरों की मौत, संक्रमण के खतरे का डर, नगर पालिका की लापरवाही से मुश्किल में लोग

आमला। बीते कई महीनों से पूरे शहर के लगभग सभी इलाक़े गंदगी की चपेट में है, लोगों की मिन्नतों और तमाम आरोपों से घिरी नगर पालिका को मानो आम जनता की दिक्कतों से कोई ज्यादा वास्ता नहीं है तभी तो महीनों से लोग सफाई व्यवस्था को लेकर आवाज उठा रहे हैं, किंतु नगर पालिका में लोगों की कोई सुनवाई नहीं की जा रही है, इधर इन्हीं सबके बीच शहर के वार्ड क्रमांक 5 में बीते एक सप्ताह के भीतर लगभग दो दर्जन से ज्यादा सुअरों की संदिग्ध मौत हो चुकी है,यहां नगर पालिका द्वारा मृत सुअरों का व्यवस्थित और सुरक्षित निपटान नहीं किए जाने से इलाके में संक्रमण का खतरा भी पैदा हो गया है, प्रभावित इलाके में लोगों का कहना है कि बीते कुछ समय से वार्ड के राम मंदिर चाल, बसोड़ी मोहल्ला में लगातार रोजाना ही मरी हुई सूअर मिल रही है, जिससे इलाके में दुर्गंध भी फैल रही है, इस बारे में नगर पालिका को कई बार बताया जाता है किंतु कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे लोगों में नगर पालिका के खिलाफ नाराजी भी देखी जा रही है।

कचरों के अंबार और गंदगी से भारी नालियां- यहीं पूरे शहर में नगर पालिका स्वच्छता विभाग की लापरवाही से जगह-जगह कचरों के ढेर लग रहे हैं, तो वहीं कई जगहों पर महिनो से नालियों की सफाई नहीं होने से गलियों में दुर्गंध फैल रही है, ऐसे में इलाके में मच्छरों की

भरमार होने से इलाके में बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है जैसा कि लोगों ने हमें बताया है की शहर के ज्यादातर इलाकों में व्यवस्थित साफ सफाई नहीं होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जैसा कि हमें बताया गया है कि शहर के ज्यादातर इलाकों में कहीं पर 20 दिन तो कहीं पर 30 से 45 दिनों के बीच सफाई की जा रही है, ऐसे में लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसा कि हमारे पास जानकारी है कि नगर पालिका परिषद के पास सफाई कर्मचारियों की कमी है, जिसको देखते हुए पिछले दिनों परिषद द्वारा कुछ नए सफाई कर्मचारियों को संविदा के तौर पर रखने की बात कही गई थी किंतु अभी तक इस ओर कोई फैसला नहीं किए जाने से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

कहां-कहां पर है ज्यादा दिक्कतें - यूं तो पूरे शहर में ही सफाई व्यवस्था के बुरे हाल हैं उस पर बीते कुछ दिनों से सूअरों के आतंक ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है, यहां हैरानी इस बात की है कि नगर पालिका से बार-बार मिन्नते करने के बाद भी इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सफाई कर्मियों की कमी की वजह से भी हो रही दिक्कतें- पिछले कुछ महीनो से देखा जा रहा है कि शहर की नगर पालिका परिषद में मुख्य कर्ताधर्ताओ की लापरवाही से शहर में आम जनों की मूलभूत आवश्यकताओं की भी पूर्ति नहीं हो पा रही है, बताया गया है कि शहर में सफाई व्यवस्था के बिगड़ते हालातो को लेकर पिछले दिनों परिषद में नए सफाई कर्मियों की नियुक्ति का आदेश जारी किया गया था, किंतु अभी तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया है जिससे परेशानी हो रही है,जैसा की जानकारी है की पूरी शहर की सफाई व्यवस्था के लिए लगभग एक सैकड़ा कर्मचारियों की आवश्यकता है किंतु वर्तमान समय में नगर पालिका के पास केवल 60 सफाई कर्मचारी ही काम कर रहे हैं, जिसके चलते सफाई व्यवस्था के हालत बिगड़ गए हैं।

इनका कहना है

शहर में केवल एक मात्र ही सूअर पालक है जिसको इस बारे में कई बार नोटिस भी दिया गया है, अगर संदिग्ध हालत में सुअर मर रही है तो कार्यवाही की जाएगी।

- उल्लास जोशी

नगर पालिका स्वच्छता विभाग प्रभारी आमला

भोजशाला में एएसआई सर्वे का 12वां दिन

महिलाओं ने ज्योति मंदिर में भजन-कीर्तन किया, दीवारों की साफ-सफाई का काम हुआ

धार (नप्र)। केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीन धार की भोजशाला में सर्वेक्षण का काम तेजी से चल रहा है। आज सर्वे के 12वें दिन शाम करीब 5 बजे एएसआई की टीम व हिंदू-पक्षकार भोजशाला से वापस निकले। जो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुए। आज यानी मंगलवार को दीवारों की साफ-सफाई का काम हुआ है। एएसआई के करीब 8 बजे 20 अधिकारियों और 34 मजदूरों ने भोजशाला में एंट्री ली थी। हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार भार्गव भी साथियों के साथ भोजशाला पहुंचे थे। भोजशाला में हर मंगलवार की तरह पूजा की गई थी। इसके बाद महिलाएं ज्योति मंदिर में भजन-कीर्तन करने पहुंचीं। वहीं, हिन्दू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने कहा कि भोजशाला में सर्वे को 12 दिन हो गए हैं। अभी तक सारी चीजें सनातनी पक्ष में ही आई हैं। हमें प्रसन्नता है कि हजारों साल का संघर्ष पूर्ण होने जा रहा है, जल्दी ही यहां पर मां सरस्वती विराजमान होंगी। जैसे अयोध्या में भगवान राम विराजमान हो चुके हैं, वैसे ही अब जल्दी भोजशाला में मां सरस्वती विराजमान होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक लगाने से सोमवार को इनकार कर दिया। मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी, धार ने विशेष अनुमति याचिका दाखिल कर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के संबंधित आदेश को रद्द करने की मांग की

थी। हालांकि कोर्ट ने कहा है कि वहां ऐसी कोई फिजिकल खुदाई न की जाए, जिससे धार्मिक ढांचे में बदलाव आए। महिलाएं मंगलवार को भजन गाते हुए भोजशाला पहुंचीं। उन्होंने बाहर आकर ज्योति मंदिर में भी भजन-कीर्तन किया।

अनुमान के आधार पर फैलाई जा रही भ्रामक जानकारी : अब्दुल समद

मुस्लिम पक्ष के अब्दुल समद ने बताया कि हमें सर्वे से कोई आपत्ति नहीं है। इस बात को हम पहले भी स्पष्ट कर चुके हैं। सर्वे के नाम पर जो अन्य गतिविधि की जा रही है, उस पर हमने आपत्ति ली है। कोर्ट ने इसमें आदेश भी कर दिए हैं। समद ने कहा, खुदाई से तात्पर्य है कि इमारत को किसी भी तरह से नुकसान नहीं हो। खुदाई के माध्यम से इमारत को नुकसान हो रहा है और यही बात हमने कोर्ट में कही है। जहां तक अन्य सामग्री निकालने और संरचना निकालने की बात है तो यह पूरी तरह से गोपनीय चीज है। पूरी तरह से भ्रामक जानकारी और अनुमान के आधार पर बातें फैलाई जा रही हैं।

तीन दिन के दौरे पर धार आएंगी हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की राष्ट्रीय अध्यक्ष

हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रंजना अग्निहोत्री लखनऊ से बुधवार को तीन दिनी दौरे पर धार आएंगी। प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष गोयल ने बताया कि अध्यक्ष रंजना अग्निहोत्री भोजशाला के सर्वेक्षण में भी सहभागिता करेंगी। साथ ही राजा भोज के समकालीन स्मारकों का भी अवलोकन करेंगी। दरअसल, रंजना अग्निहोत्री ने श्री राम जन्मभूमि अयोध्या, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी और श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर मथुरा के लिए भी कानूनी लड़ाई लड़ी है। अग्निहोत्री के साथ मूल याचिकाकर्ता और अधिकृत अभिभाषकगण भी धार प्रवास पर रहेंगे। बता दें, भोजशाला के पिछले हिस्से में खुदाई की जा रही है। यहां पर नींव तक पहुंचने के लिए खुदाई का काम चल रहा है। हालांकि, अभी तक नींव नहीं मिली है। यहां पर 2 सीढ़ियां जरूर पुराने जमाने के पत्थरों की नजर आई हैं। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि नीचे तलघर की ओर जाने का कोई रास्ता हो सकता है। इसके बारे में स्पष्ट जानकारी कोई नहीं दे रहा है, पर बताया जा रहा है कि पुराने लोगों ने राधू टॉकिज के पास से सीढ़ियों का एक रास्ता देखा था।

प्रियानाथ बोलीं-अग्नि परीक्षा के समय हमें अपनों ने धोखा दिया

- छिंदवाड़ा में कहा- जब पिता कमलनाथ को देखती हूं तो बहुत दुख होता है

छिंदवाड़ा (नप्र)। कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने पर सांसद नकुलनाथ की पत्नी प्रियानाथ ने कहा, जब मैं पिता कमलनाथ को देखती हूं तो बहुत दुख होता है। जिन्हें हमने अपना समझा, अपने परिवार की तरह प्यार दिया, कमलनाथ जी ने आशीर्वाद दिया, जब उनकी अग्नि परीक्षा का समय आया तो उन्होंने धोखा दिया। छिंदवाड़ा के चौरई में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, इस बात से दुख जरूर होता है, क्योंकि दिल से हमने उन्हें माना था, लेकिन हम एक नई क्रांति के साथ आगे बढ़ेंगे। हम 44 साल से साथ थे, साथ हैं और वो शक्ति पैदा नहीं हुई, जो 44 दिन में यह रिश्ता खत्म कर दे। प्रियानाथ ने कार्यकर्ताओं से कहा, हम में से कोई कभी हिम्मत नहीं हारेगा। मैं बिल्कुल भी डरी नहीं हूं। प्रियानाथ सोमवार को चौरई में कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन में पहुंची थीं।

अप्रैल में 46 डिग्री पार पहुंचेगा पारा, चलेगी हीट वेव

- ग्वालियर-चंबल खूब तपेगा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अप्रैल के महीने में तेज गर्मी पड़ेगी। सबसे ज्यादा ग्वालियर-चंबल तपेगा। यहां हीट वेव भी चलेगी। आखिरी सप्ताह में ग्वालियर में अधिकतम तापमान 46 डिग्री तक पहुंच सकता है। वहीं, भिंड, दतिया, मुरैना, श्योपुरकलां में पारा 46-47 डिग्री तक रहने का अनुमान है। निवाड़ी, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, खरगोन, शिवपुरी में तापमान 45 डिग्री तक रहेगा। आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अप्रैल में गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। इस बार भी तेज गर्मी पड़ेगी। हीट वेव के अलावा कई शहरों में रातें भी गर्म रहेंगी।

सामान्य से 4 डिग्री ज्यादा रहेगा तापमान

जिस तरह दिसंबर-जनवरी में सर्दी और जुलाई-अगस्त में सबसे ज्यादा बारिश होती है, उसी तरह गर्मी के दो प्रमुख महीने अप्रैल और मई हैं। मार्च महीने के आखिरी में ही टेम्प्रेचर बढ़ने लगता है। इस बार भी ऐसा ही मिजाज रहा। दमोह, रतलाम समेत कई शहरों में तो तापमान 41-42 डिग्री के पार हो गया। यह सामान्य से 2-3 डिग्री अधिक था। ऐसा ही मिजाज अप्रैल में भी देखने को मिलेगा। ज्यादातर शहरों में सामान्य तापमान 3-4 डिग्री अधिक ही रहेगा।

भोपाल में अबकी बार भी भीषण गर्मी का अनुमान; 43डिग्री पार पहुंचेगा पारा

राजधानी भोपाल में अप्रैल महीने में तेज गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। पिछले 10 साल में टेम्प्रेचर 42 से 43 डिग्री के पार पहुंच चुका है। 28 साल पहले 19 अप्रैल 1996 को दिन का टेम्प्रेचर 44.4 डिग्री सेल्सियस रहा था, जो ऑल टाइम रिकॉर्ड है। अबकी बार भी भीषण गर्मी का अनुमान है। पारा 43 डिग्री पहुंच सकता है। धूल भरी हवाएं भी चलेंगी।

मंच पर फूट-फूटकर रोने लगे कांग्रेस प्रत्याशी

दमोह में भावुक हुए तरवर सिंह लोधी; पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने लगाया गले

दमोह (नप्र)। दमोह में कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी तरवर सिंह लोधी जनसभा के दौरान मंच पर ही फूट-फूटकर रोने लगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सभा को संबोधित कर रहे थे। तरवर सिंह उनके पास खड़े थे। इस दौरान वे भावुक हो गए और रोने लगे। जिसके बाद जीतू पटवारी ने उन्हें गले लगा लिया। दरअसल, मंगलवार को कांग्रेस प्रत्याशी तरवर सिंह ने अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले जीतू पटवारी ने नामांकन रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी को धोखा बताया।

जीतू बोले- भाजपा और धोखा एक-दूसरे के पर्याय

मीडिया से चर्चा में जीतू पटवारी ने कहा- इस देश में बीजेपी और धोखा एक-दूसरे के पर्याय हैं। एक तरफ सेवादार और अच्छे मन का ईमानदार चुनाव मैदान में है और दूसरी तरफ बिकाऊ और लोभी, जिसने अपना परिचय बेईमानी का दिया है। ये चुनाव ईमानदार और बेइमानी के बीच है।

मैंने 5 सवाल किए वोट देते वक्त इन्हें याद रखना

पटवारी ने कहा- दमोह की जनता से मेरा आग्रह है कि मैंने पांच सवाल किए हैं। पहला आपके बच्चों को रोजगार क्यों नहीं और बीजेपी के बच्चों को रोजगार क्यों? जिले से पलायन क्यों हो रहा है। रेलवे की व्यवस्थाएं क्यों दुरुस्त नहीं है। दमोह का एक तालाब उसकी भी अभी तक सफाई क्यों नहीं हो सकी। किसानों को फसलों के सही दाम क्यों नहीं मिल रहे। ये सवाल आपके घरों में है और वोट देते समय याद रखना, खासकर संविधान से प्यार करने वाले लोग।

उन्हें 400 सीट चाहिए, क्योंकि उन्हें संविधान बदलना है

पटवारी ने कहा कि एक तरफ वह लोग हैं, जिन्हें 400 सीट चाहिए, क्योंकि उन्हें संविधान बदलना है और दूसरी तरफ वह लोग हैं जो संविधान की रक्षा करना चाहते हैं। आपके वोट के अधिकार को सुरक्षित रखना चाहते हैं। इसलिए सोच समझकर वोट देना।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा बोले

कांग्रेसी बेरोजगार हो गए,जबलपुर में कहा- इंडी अलायंस भ्रष्टाचार बचाने वालों का जमावड़ा बन गया

जबलपुर (नप्र)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा- पीएम नरेंद्र मोदी ने देश में परिवारवाद की राजनीति को खत्म किया है। हमारी राजनीति सबको साथ लेकर चलने की है। सबका साथ, सबका विकास। कांग्रेसी कहते हैं, बेरोजगारी-महंगाई, बेरोजगारी महंगाई, मैं कहूंगा वे जरूर बेरोजगार हो गए हैं। बता दें कि जेपी नड्डा दो दिन के मध्यप्रदेश दौरे पर हैं। वे मंगलवार सुबह जबलपुर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया। नड्डा ने कहा- पीएम कहते हैं भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करेंगे। जड़-मूल से उसको खत्म कर देंगे। ये इंडिया अलायंस भ्रष्टाचार बचाने वालों का जमावड़ा बन गया है। भ्रष्टाचार करने वालों का जमावड़ा बन गया है। इंडिया अलायंस परिवार को बचाने का प्रयास कर रहा है।

शहडोल में बीजेपी के पक्ष में सभा को किया संबोधित

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शहडोल में बीजेपी प्रत्याशी हिमाद्री सिंह के पक्ष में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पहले की सरकार समाज को बांट कर परिवार के लिए तुष्टिकरण की राजनीति करती थी। पीएम मोदी ने जाति को छोड़कर सबका साथ सबका विकास और विकासवाद की राजनीति शुरू की है। नड्डा ने कहा कि आपने एक दौर वो भी देखा है, जब आदिवासी युवाओं और किसानों के बारे में कोई नहीं सोचा करता था। आज हम वो दौर देख रहे हैं। जब युवाओं के लिए, किसानों के लिए काम हुआ है। आदिवासी वर्ग के लिए बजट 3 गुना बढ़ा दिया गया है। मोदी कह रहे हैं भ्रष्टाचारी हटाओ, कोई भ्रष्टाचारी नहीं रहने दूंगा। सभी जेल जाएंगे। अखिलेश यादव लैपटॉप स्कैम में, रिवर घोटाले में, लालू यादव चारा घोटाले में, डीएमके के नेता दारू के घोटाले में हैं, इनके खिलाफ एक्शन होना चाहिए या नहीं? राहुल और सोनिया, लालू, तेजस्वी, डीएमकेए के नेता सभी बेल पर हैं। सोरेन, केजरीवाल, जैन, आजम खान जेल में है। नड्डा आज रात्रि विश्राम जबलपुर में ही करेंगे।

पति-पत्नी का झगड़ा

काजी कैंप इलाके में ससुर ने दामाद पर किया तलवार से हमला, गोली भी चली

भोपाल (नप्र)। राजधानी के काजी कैंप इलाके में सोमवार - मंगलवार की दरम्यानी रात एक ही परिवार के दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों में झगड़ा इतना बड़ा कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर तलवार से हमला कर दिया। वहीं इस दौरान हवाई फायरिंग भी की गई। जिमसें शाहनवाज नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसके पेट और सिर पर गंभीर चोटे आई हैं। शाहनवाज को इलाज के लिए ग्रीन सिटी हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। यहां घायल का इलाज ड्यूटी पर तैनात डॉ. संदीप दुबे की निगरानी में किया जा रहा है।

पति – पत्नी के बीच कहासुनी से शुरू हुआ था विवाद

हनुमानगंज पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पति पत्नी का विवाद इतना बड़ गया कि इस मामले में दामाद और ससुर का झगड़ा हुआ, जिसमें ससुर सुल्तान ठेकेदार ने अपने दामाद शाहनवाज पर हमला किया। हालांकि मौके पर गोली चलने की भी खबर है मगर गोली किसने चलाई इसकी अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि काजी कैंप में रहने वाले परिवार में विवाद की शुरुआत पति - पत्नी के बीच आपसी कहासुनी से हुई थी। विवाद बढ़ने पर युवक के ससुर और साले भी घटना स्थल पर पहुंच गए। ससुर ने अपने दामाद को समझाने की कोशिश की। लेकिन, विवाद खत्म नहीं हुआ तो युवक पर उसके ही कथित ससुर और साले ने मिलकर दामाद की पिटाई कर दी। साथ ही ससुर ने दामाद के तलवार मार दी। जो युवक को पेट में लगी।

इस तरह शुरू हुआ विवाद

फरियादी सुल्तान हुसैन ने भी इस मामले में एक शिकायत थाने को दी थी। जिसमें उन्होंने बताया कि रात करीब 9.45 बजे करीब की बात है मैं तथा मेरा लड़का कामरान बूम बूम जिम के पास काजी कैंप मे चाय पी रहे थे, तभी मेरा दामाद शाहनवाज आया और घरेलू बात को लेकर हम दोनो को मां बहन की गंदी गंदी गालियां देने लगा मैंने गाली देने से मना किया तो उसने मेरे व मेरे लड़के के साथ मारपीट किया जिससे हम दोनों को चोट आई । घटना सोहेल व आसपास के लोगो ने देखी तथा बीच बचाव किये है। जाते-जाते दमाद बोल रहा था कि आज तो बच गए, आईन्दा दिखे तो जान से खत्म कर दुंगा।

शाहनवाज के भाई का आरोप, 2 राउंड फायर हुआ: इस बारे में शाहनवाज के भाई परवेज पर उनके ससुर शाहनवाज हुसैन और साले कामरान ने तलावारों से हमला कर दिया और 2 राउंड फायर भी किया। हम उनसे बंदूक छीनकर अपने पास ले आए हैं।

पुलिस ने कहा

आरोपी सुल्तान ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने शाहनवाज पर धारदार हथियार से हमला किया था, उसके बाद गोली भी चलाई। हालांकि गोली चलाने को लेकर पुलिस अभी जांच कर रही है कि बंदूक कहां से आई।

अवधेश सिंह भदौरिया, टीआई हनुमानगंज

आरजीपीबी घोटाले के आरोपियों के खिलाफ जारी होगा लुकआउट

पूर्व कुलपति, रजिस्ट्रार और रिटायर्ड फाइनेंस कंट्रोलर की तलाश में दबिश जारी

भोपाल (नप्र)। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीबी) के सरकारी खाते से 19.48 करोड़ रुपए प्राइवेट अकाउंट में ट्रांसफर किए जाने के मामले की जांच भोपाल पुलिस ने तेज कर दी है। मामले में गिरफ्तारी से बचने अंडरग्राउंड हुए यूनिवर्सिटी के तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार, तत्कालीन रजिस्ट्रार आरएस राजपूत सहित 3 आरोपियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कराने की कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस को शक है कि मामले के तीनों आरोपी विदेश जा सकते हैं। इसके चलते लुकआउट नोटिस जारी करने का प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा है। दूसरी ओर, सोमवार को तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने भोपाल कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। कोर्ट मंगलवार को अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी।

आरोपियों को पकड़ने एसआईटी ने दी 6 बार दबिश

गांधी नगर पुलिस सूत्रों ने बताया कि मामले में गिरफ्त से बाहर चल रहे यूनिवर्सिटी के तत्कालीन कुलपति डॉ. सुनील कुमार, तत्कालीन रजिस्ट्रार 9 आरएस राजपूत और रिटायर्ड फायनेंस कंट्रोलर की गिरफ्तारी के लिए 3 टीमें बनाई गई हैं। इन टीम ने बीते 29 दिन में 6 बार आरोपियों को पकड़ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी है। लेकिन, आरोपी हर बार पुलिस के पहुंचने से पहले संबंधित स्थान से गायब हो गए।

डॉ. सुनील कुमार ने कोर्ट में लगाई अग्रिम जमानत याचिका

यूनिवर्सिटी के तत्कालीन कुलपति डॉ. सुनील कुमार ने सोमवार को भोपाल कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। याचिका एडवोकेट सत्यम कौरव ने लगाई है। भोपाल की गांधी नगर पुलिस ने तत्कालीन कुलपति सुनील कुमार, तत्कालीन रजिस्ट्रार आरएस राजपूत, रिटायर फाइनेंस कंट्रोलर ऋषिकेश वर्मा और आरबीएल बैंक के कर्मचारी कुमार मयंक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

आरएस राजपूत की जमानत याचिका हो चुकी है खारिज

इससे पहले भोपाल जिला कोर्ट में तत्कालीन रजिस्ट्रार आरएस राजपूत ने जमानत याचिका लगाई थी, सुनवाई न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीन ने की थी, जिसे 12 मार्च को विशेष न्यायधीश भष्टाचार निवारण अधिनियम संकर्षण प्रसाद पांडेय ने खारिज की थी।

बिना अनुमति जा चुके हैं विदेश

साल 2022 में पूर्व रजिस्ट्रार आरएस राजपूत बिना अनुमति के विदेश जा चुके हैं। वह साल 2022 में 13 जनवरी नई दिल्ली से सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) गए थे। इस सफर में उनके साथ संगीता सिंह भी गई थीं। इसका टिकट नर्मदा हॉलिडे द्वारा किया गया था। संचालनालय की सूचना के अनुसार उन्होंने इस यात्रा की परमिशन नहीं ली थी।